मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 30 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 225, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को अधिकृत करने की एक और कोशिश

6 साल अटकी रही शाहरुख खान की यह लॉकबस्टर फिल्म, नहीं [illegible] रुपया भी फीस 6

पिकअप और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर

16 मजदूरों की मौत, 10 गंभीर

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

भोपाल : मध्य प्रदेश में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। धार जिले के चिकलिया स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास बुधवार रात करीब 8:30 बजे मजदूरों से भरे एक पिकअप वाहन और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से 10 की हालत बेहद गंभीर है और उनका इलाज इंदौर में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में करीब 50 मजदूर सवार थे, जो क्षमता से कहीं अधिक थे। वाहन धार से अमझेरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराया और पलट गया। पलटने के बाद सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई मजदूर वाहन के नीचे दब गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक सूचना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, लेकिन आज सुबह तक मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई।

घायलों को बड़ी संख्या में जिला अस्पताल लाया गया, जहां अचानक बढ़े दबाव के कारण व्यवस्था प्रभावित हुई और कुछ घायलों का इलाज जमीन पर लिटाकर करना पड़ा। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत अतिरिक्त इंतजाम कर इलाज शुरू किया। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तौर पर हादसे की वजह ओवरलोडिंग और वाहन का असंतुलित होना बताया जा रहा है।

इस भीषण हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि यह सड़क हादसा हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिजनों के साथ हैं। मृतकों के परिवारजनों को 4-4 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपये तथा अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इंदौर संभागायुक्त और आईजी को उपचार व्यवस्था के लिए धार जाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी घायलों का उपचार निःशुल्क किया जाएगा।

गिरीडीह में बस-कार की जोरदार टक्कर

दो की मौत, पांच घायल ,शादी समारोह से लौट रहे थे सभी

4

गिरिडीह: जिले में गुरुवार सुबह बस और कार के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना धनवार थाना इलाके के लाल बाजार की है।

बताया जा रहा है कि सवारी बस खोरीमहुआ की तरफ आ रही थी। जबकि स्विफ्ट कार देवघर से बिरनी की तरफ जा रही थी। इसी बीच लाल बाजार के पास दोनों वाहनों में भिड़ंत हो गई। घटना में बिरनी थाना इलाके के रहने वाले 70 वर्षीय बंगाली हाड़ी और 24 वर्षीय कुमकुम कुमारी की मौत हो गई। वहीं, कार पर इन दोनों के साथ सवार सुकरी देवी, तारा देवी, रोनित कुमार, जयनारायण, अरविंद यादव घायल हो गए।

गुरुवार की सुबह लगभग पांच बजे यह घटना घटी। दुर्घटना होते ही यहां अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। लोगों की भीड़ जुट गई। लोग घायलों को निकालने में जुटे रहे। इस बीच घटना की सूचना पर धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे।

थाना प्रभारी ने सबसे पहले घायलों को अस्पताल भिजवाया और शवों को कब्जे में लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने में पुलिस जुटी है। इधर यह भी जांच कर रही है कि दुर्घटना कैसे हुई। लापरवाही किसकी थी। वाहन का स्पीड कितना था।

धनवार थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग पांच बजे एक कार और बस में टक्कर हो गई। इस घटना में एक बुजुर्ग और एक युवती की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी कार पर सवार थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। वहीं, बिरनी प्रमुख रामू बैठा ने बताया कि बिरनी थाना इलाके के बरमसिया गांव के जयनारायण राम का परिवार के लोग देवघर शादी समारोह में गए थे। वापसी के दौरान लाल बाजार के पास विपरीत दिशा से आ रही विभा नामक बस ने टक्कर मार दी। जिसमें बंगाली हाड़ी एवं कुमकुम कुमारी की मौत हो गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक सड़क हादसा

चलती कार बनी आग का गोला, 5 लोग जिंदा जले

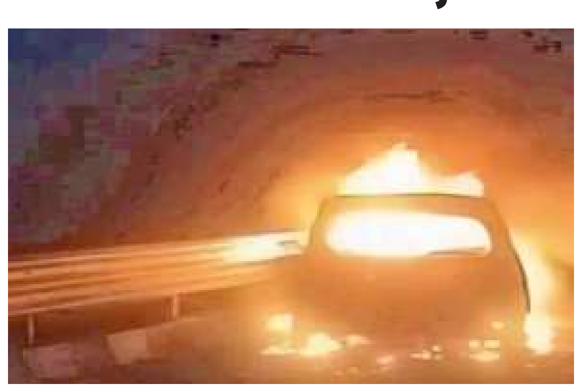

अलवर : राजस्थान के अलवर जिले में स्थित लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देर रात एक भीषण हादसा हो गया। मौजपुर के पास रात करीब 1 बजे दिल्ली से कोटा जा रही एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गया।

इस हादसे में कार में सवार 5 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में मध्य प्रदेश के श्योपुर निवासी तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरुष शामिल हैं। हादसा एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 115/300 के पास हुआ। कार चालक विनोद कुमार मेहर ने किसी तरह गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन वह करीब 80 प्रतिशत झुलस गया। राहगीरों की सूचना पर एनएचएआई पेट्रोलिंग टीम, एम्बुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंची। लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस और एसएचओ नेकीराम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दमकल विभाग को सूचना दी।

दमकल की गाड़ियां पहुंचने से पहले ही कार पूरी तरह जल चुकी थी। बाद में पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। घायल चालक को पहले पिनान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते उसे अलवर के सामान्य अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी कैलाश जिंदल और एसपी सुधीर चौधरी भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन : अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर अपने बयान और सोशल मीडिया गतिविधि को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को ट्रंप जलडमरूमध्य के रूप में दर्शाया गया है। हालांकि, जिस मूल पोस्ट को उन्होंने साझा किया, वह फिलहाल दिख नहीं रही है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान और ओमान के बीच स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है, क्योंकि दुनिया का लगभग 20झ्र30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच यह जलडमरूमध्य लगातार चर्चा में बना हुआ है। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के चलते यहां आवागमन प्रभावित होने की खबरें सामने आई हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ा है।

हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य के नाम में किसी आधिकारिक बदलाव की पुष्टि नहीं हुई है। ट्रंप द्वारा री-पोस्ट की गई सामग्री को लेकर राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में बहस छिड़ सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दिए गए बयान या सोशल मीडिया पोस्ट वैश्विक राजनीति और बाजारों पर प्रभाव डाल सकते हैं। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें इस पर टिकी हैं।

पुणे के कोंढवा में क्लोरीन गैस रिसाव से बड़ा हादसा

24 लोग अस्पताल में भर्ती इलाके में मचा हड़कंप

नई दिल्ली: पुणे के कोंढवा में बंद पड़े जल शोधन संयंत्र से बुधवार देर रात क्लोरीन गैस रिसाव के कारण कम से कम 22 निवासियों और दो दमकलकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव रात करीब 1 बजे गंगाधाम इलाके में बंद पड़े जल शोधन संयंत्र के गोदाम में क्लोरीन से भरे टैंक से हुआ।

एक दमकल अधिकारी ने बताया, गैस रिसाव से आसपास के निवासियों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों को मौके पर भेजा गया। कई नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और सुरक्षा उपकरणों की सहायता से रिसाव वाले टैंक की मरम्मत की गई।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 22 निवासियों और 2 दमकलकर्मियों को सांस लेने में तकलीफ हुई और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जल शोधन संयंत्र के मालिक ने बताया कि उसने संयंत्र को बंद कर दिया था, लेकिन क्लोरीन का टैंक वहीं रह गया, जिससे रिसाव हुआ। अधिकारी ने कहा, सभी प्रभावित निवासी और दोनों दमकलकर्मी खतरे से बाहर हैं और वर्तमान में ससून जनरल अस्पताल में निगरानी में हैं।

एम्स की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से कहा-

गर्भपात के नियमों में अब बदलाव की जरूरत

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख दिखाया। 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के 30 हफ्ते की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति पर सुनवाई हुई। इस फैसले को चुनौती देने वाली एम्स की क्यूरेटिव पिटीशन पर अदालत ने आपत्ति जताई। अदालत ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि कानून में संशोधन कर दुष्कर्म पीड़िताओं को 20 हफ्ते से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए।

कानून को समय के साथ बदलना चाहिए: कोर्ट ने साफ कहा कि जब गर्भधारण दुष्कर्म के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए और कानून को समय के साथ बदलना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि यह बाल दुष्कर्म का मामला है और अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा।

कोर्ट ने क्या दिए निर्देश? : अदालत ने कहा कि अगर मां को स्थायी शारीरिक नुकसान नहीं होता है तो गर्भपात किया जाना चाहिए। साथ ही एम्स को निर्देश दिया गया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे, क्योंकि अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि देश में पहले से ही कई बच्चे गोद लेने के लिए हैं, कई बच्चे सड़कों पर बेसहारा हैं और इस पर माफिया भी सक्रिय हैं। यह 15 साल की बच्ची का अनचाहा गर्भ है। उसे पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सोचिए उसने कितना दर्द और अपमान सहा है।

एम्स ने क्या दलील दी? : वहीं, एम्स की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि इस अवस्था में गर्भपात संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 30 हफ्ते में भ्रूण एक जीवित शिशु के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें गंभीर विकृतियां हो सकती हैं। साथ ही नाबालिग मां को जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं और भविष्य में वह मां नहीं बन पाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चे को जन्म के बाद गोद दिया जा सकता है।इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि गर्भपात का निर्णय पीड़िता और उसके माता-पिता की इच्छा पर निर्भर करेगा और एम्स की भूमिका उन्हें सूचित निर्णय लेने में मदद करने की होनी चाहिए।

कोर्ट ने मीडिया से क्या आग्रह किया? : मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया से इस मामले की रिपोर्टिंग करते समय संवेदनशीलता बरतने और सुनवाई से संबंधित हर बात (अदालत में हुई पूरी बातचीत) को रिकॉर्ड न करने का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या सुनाया था फैसला? : सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को फैसला सुनाते हुए कहा था किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी थी। अदालत ने कहा था कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है।

पश्चिम बंगाल में 'कमल' की आहट, दक्षिण में विजय का 'धमाका' और केरल में बदलाव के संकेत

नई दिल्ली: चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में एक महीने तक चले मैराथन चुनाव के बाद अब सबकी नजरें नतीजों पर टिकी हैं। एग्जिट पोल के रुझान सामने आ गए हैं और ये आंकड़े कई राज्यों में सत्ता की तस्वीर बदलते दिख रहे हैं। जहां असम में भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करती दिख रही है, वहीं पश्चिम बंगाल में कांटे की टक्कर ने सस्पेंस बढ़ा दिया है। दक्षिण भारत में अभिनेता विजय की एंट्री ने सियासी समीकरणों को पूरी तरह उलट कर रख दिया है। दक्षिण में, एग्जिट पोल ने तमिलनाडु में द्रमुक की वापसी और केरल में 10 साल बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की वापसी का अनुमान लगाया है। केवल एक्सिस माई इंडिया ने तमिलनाडु में टीवीके के विजय की शानदार जीत की भविष्यवाणी की है, जिससे उसे 234 सदस्यीय विधानसभा में 98-120 सीटें मिलेंगी।

बंगाल एग्जिट पोल ऑफ पोल्स : हालांकि, सबसे बड़ा सस्पेंस पश्चिम बंगाल बना हुआ है - एक ऐसा राज्य जिसे भाजपा ने बनाने या तोड़ने वाली लड़ाई के रूप में पेश किया, इसे पार्टी का अंतिम मोर्चा कहा। 2014 से ही बीजेपी ममता के किले में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है. चार एग्जिट पोल का अनुमान है कि बीजेपी इस साल ऐसा करने में सक्षम हो सकती है, जिससे उसे 146-175 सीटें मिल सकती हैं। दो सर्वेक्षणकर्ताओं ने टीएमसी के लिए लगातार चौथी बार प्रचंड जीत का अनुमान लगाया है।

सिविल सर्जन ने किया टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

चतरा: सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र सिन्हा ने टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, ओपीडी संचालन, आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य तथा नव निर्मित भवन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की।

इस दौरान सिविल सर्जन ने पाया कि ओपीडी में मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के बेहतर इलाज और सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने की गति बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। कहा कि क्षेत्र के अधिक से अधिक पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे निशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त कर सकें। इसके लिए गांव-गांव में प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर लोगों को योजना के लाभ से अवगत कराने का निर्देश भी दिया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र परिसर में नव निर्मित भवन का भी अवलोकन किया गया। भवन में पाई गई कुछ त्रुटियों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया गया, ताकि भवन का उपयोग सुचारु रूप से किया जा सके। सिविल सर्जन ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।मौके पर टंडवा प्रभारी डॉ. सुदीप कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सांप के काटने से छात्र का निधन , स्कूल में शोक सभा

चतरा: शहर के दीभा मोहल्ला स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में बुधवार को विद्यालय के वाटिका खंड के कक्षा उदय स के छात्र अभिराज कुमार पिता अशोक कुमार यादव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि सोमवार की देर रात कान्हाचट्टी प्रखंड अंतर्गत तुलबुल स्थित अपने पैतृक गांव कंदारी के समीप सांप के काटने से छात्र अभिराज का दुखद निधन हो गया। इस दुखद समाचार से विद्यालय परिवार शोकाकुल एवं मर्माहत है। विद्यालय परिवार द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वाटिका खंड की सह प्रभारी संगीता कुमारी ने कहा कि अभिराज एक मेधावी एवं अनुशासित छात्र था। उसके असामयिक निधन से विद्यालय परिवार ने एक होनहार छात्र को खो दिया है। विद्यालय परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ स्कूली बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी, अधिकारों पर दी गई जानकारी

चतरा: जिला विधिक सेवा प्राधिकार व्यवहार न्यायालय चतरा के माननीय सचिव तारकेश्वर दास के मार्गदर्शन में बुधवार को सलैया पंचायत के डेम डेम गांव में ब्राइट फ्यूचर एकेडमी विद्यालय के बच्चों के द्वारा महिला उत्पीड़न के विरोध प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया, पूरे गांव का भ्रमण करते हुए प्रभात फेरी में नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेंगे, हिंदुस्तान महिला उत्पीड़न बंद करो, नारी हिंसा बंद करो, का स्लोगन दिया।इस दौरान पीएलवी संदीप कुमार गुप्ता,सुधीर कुमार मिश्रा, बिहारी कुमार और अक्षय कुमार के द्वारा बच्चों को महिलाओं के विरोध अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाना एवं उनके कानून अधिकारों की जानकारी दी ।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चों को घरेलू हिंसा,मारपीट, दहेज प्रथा, यौन उत्पीड़न, एवं महिलाओं को सशक्त बनने पर चर्चा किया गया एवं बच्चों को बाल विवाह बाल मजदूर के बारे में जानकारी दी गई एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं विद्यालय की उपस्थिति प्रधानाध्यापक आशुतोष कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

जनगणना 2027 को लेकर दी जा रही है स्पेशल ट्रेनिंग

राहे: जनगणना 2027 को लेकर प्रखंड में तैयारियां तेज हो गई है। इस कड़ी में पर्यवेक्षकों और जनगणना कर्मियों को स्पेशल ट्रेनिंग जा रही है। ट्रेनिंग में जनगणना की पूरी प्रक्रिया, डेटा संकलन की विधियां और डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। तीन फेज में ट्रेनिंग प्रारंभ हो गया है। हर फेज में तीन दिवसीय ट्रेनिंग होगा। बीडीओ अशोक कुमार ने आम जनता से भी अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, देश के विकास के लिए सटीक आंकड़े तैयार किए जा सकें। राहे प्रखंड में 108 जनगणना कर्मी, 17 पर्यवेक्षक, 12 सुरक्षित जनगणना कर्मी, ओर 4 सुरक्षित पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

जनगणना-2027 को लेकर उपायुक्त ने की प्रेस वार्ता, कहा-

डिजिटल माध्यम से होगा सर्वेक्षण

संवाददाता

चतरा: समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आज उपायुक्त रवि आनंद द्वारा जनगणना-2027 के संबंध में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान जनगणना की प्रक्रिया, समय-निर्धारण एवं जिले में की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

उपायुक्त ने बताया कि भारत की जनगणना विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रिया है, जो देश की योजनाओं एवं विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनगणना-2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8 वीं जनगणना होगी, जिसे इस बार डिजिटल माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। प्रगणक विशेष मोबाइल एप के माध्यम से घर-घर जाकर आंकड़ों का संग्रहण करेंगे।उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी, जिसमें प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं भवन गणना तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 मई से 15 मई 2026 तक सेल्फ एन्यूमरेशन, 16 मई से 14 जून 2026 तक हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन तथा फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना प्रस्तावित है। जिले में जनगणना कार्य के लिए कुल 13 चार्ज (12 ग्रामीण एवं 1 शहरी) बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत 2418 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक चिन्हित किए गए हैं, जिनके लिए 343 सुपरवाइजर एवं 1928 प्रगणक प्रतिनियुक्त किए गए हैं। अब तक संपन्न किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण जनवरी 2026 में आयोजित किया गया। चार्ज पदाधिकारी, अपर चार्ज पदाधिकारी एवं तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण 10 से 12 मार्च 2026 तक तथा फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 8 से 10 अप्रैल 2026 तक संपन्न कराया गया। इसके अलावा 37 फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से 27 अप्रैल से 9 मई 2026 तक प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण चार्ज स्तर पर कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का निर्माण एवं सीमांकन का कार्य 25 अप्रैल 2026 तक पूर्ण कर लिया गया है तथा प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का पंजीकरण भी इसी तिथि तक संपन्न हो चुका है। वहीं एचएलबी विवरण, सुपरवाइजरी सर्किल निर्माण एवं आवंटन का कार्य 30 अप्रैल 2026 तक पूर्ण कर लिया गया है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि सेल्फ एन्यूमरेशन के लिए कुल 33 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं। आमजन 1 मई से 15 मई 2026 तक निर्धारित अवधि में आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं, जिसकी पुष्टि बाद में प्रगणक द्वारा की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना के दौरान दी गई सभी जानकारियां पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। साथ ही उन्होंने आमजनों से अपील किया कि साइबर फ्रॉड से सावधान रहें, क्योंकि जनगणना से संबंधित कोई भी जानकारी फोन कॉल, ओटीपी या बैंक विवरण के माध्यम से नहीं मांगी जाएगी। प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर ही आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी।

जनगणना 2027 को लेकर उपायुक्त ने दी विस्तृत जानकारी

1 मई से शुरू होगी स्व-गणना सुविधा

खूंटी: उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना पदाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने समाहरणालय सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर भारत की जनगणना 2027 को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली, समय-सारणी एवं आमजनों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उपायुक्त ने बताया कि भारत की जनगणना विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक है और यह जनगणना अधिनियम 1948 के तहत संचालित होती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 की जनगणना वर्ष 1872 से अब तक की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

उपायुक्त के अनुसार स्व-गणना की सुविधा 01 मई 2026 से 15 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस दौरान नागरिक विशेष पोर्टल एसई.सेनसस.गॉव.इन के माध्यम से स्वयं अपना विवरण ऑनलाइन भर सकेंगे। इसके बाद 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना करेंगे। वहीं जनसंख्या गणना का कार्य 09 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक संचालित होगा।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप के जरिए की जाएगी। इसके लिए 33 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं, जिनमें आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली, इंटरनेट, रसोई ईंधन, परिवार की जानकारी एवं संपत्तियों से जुड़े विवरण शामिल हैं।

जिले में इस कार्य के लिए कुल 1561 प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिले में कुल 1201 मकानसूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं, जहां प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 150 से 180 परिवार शामिल होंगे।

उपायुक्त ने बताया कि प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 27 अप्रैल 2026 से 13 मई 2026 तक चल रहा है। साथ ही प्रशासन द्वारा जनगणना के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

मीडिया से अपील करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जनगणना को सफल बनाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आमजनों से सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने की अपील की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला सांख्यकी पदाधिकारी, जनगणना निदेशालय के प्रतिनिधि, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नीट परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

संवाददाता

चतरा: आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। इसी क्रम में बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा-बैठक सह ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में बताया गया कि जिले में नीट (यूजी) परीक्षा के संचालन हेतु एक परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है, जो सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस चतरा में स्थापित किया गया है। इस केंद्र पर कुल 432 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन 3 मई को एक ही पाली में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा, जबकि अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय प्रातः 11:00 बजे निर्धारित है।उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षा है, जिसे पूर्ण पारदर्शिता एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं वीक्षकों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी अधिकारियों को निर्धारित समय पर अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित रहकर विधि-व्यवस्था संधारण सुनिश्चित करने को कहा गया।

परीक्षार्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की सघन जांच (फ्रिस्किंग) सुनिश्चित करने, बिना वैध प्रवेश पत्र किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा केंद्र के आसपास असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखने को कहा गया।बैठक में पुलिस अधीक्षक अनिमेश नैथानी, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, विद्युत प्रमंडल चतरा के कार्यपालक अभियंता, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो, चतरा सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह, केंद्र अधीक्षक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बदला मौसम का मिजाज, बारिश के साथ जमकर हुई ओलावृष्टि

चतरा: इन दिनों पड़ रही बेतरतीब गर्मी के बीच बुधवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। इस दौरान करीब एक घंटे से अधिक समय तक तेज बारिश के साथ जमकर ओलावृष्टि भी हुई। जिससे शहर और आसपास के इलाकों का मौसम पूरी तरह बदल गया। दोपहर तक जहां तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल थे, वहीं हुई बारिश और ओलावृष्टि ने तापमान में गिरावट ला दिया। और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। वहीं अचानक हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। लोग जहां थे, वहीं सुरक्षित स्थान देखकर रुक गए और बारिश थमने का इंतजार करते रहे। हालांकि इस बारिश ने पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और लू से लोगों को बड़ी राहत दी। तापमान में गिरावट आने से लोगों ने राहत की सांस ली। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को गर्मी से काफी आराम मिला। वहीं मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बारिश के बाद तेज धूप निकलती है, तो उमस बढ़ने के साथ-साथ मौसमी बीमारियों के फैलने की संभावना भी बढ़ सकती है। ऐसे में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने, साफ पानी पीने और खानपान में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

हजारीबाग घटना के विरोध की आग पहुंची चतरा, पत्रकारों में आक्रोश

संवाददाता

चतरा: हजारीबाग में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की मौजूदगी में न्यूज 18 के पत्रकार सुशांत सोनी समेत दो पत्रकारों के साथ मारपीट की घटना का विरोध अब चतरा तक पहुंच गया है। इस घटना को लेकर जिले के पत्रकारों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय परिसर में बुधवार को द प्रेस क्लब चतरा की अहम बैठक हुई। बैठक में हजारीबाग की घटना की कड़ी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में मंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति में पत्रकारों के साथ इस तरह की घटना होना लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि स्वास्थ्य मंत्री सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो चतरा के पत्रकार चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। साथ ही मंत्री के सभी कार्यक्रमों का सामूहिक बहिष्कार करने का भी ऐलान किया गया। बैठक के दौरान पत्रकारों नें मुख्यमंत्री से स्वास्थ्य मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की। पत्रकारों ने यह स्पष्ट किया कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके अलावा उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने और धरना-प्रदर्शन करने की भी चेतावनी दी गई। क्लब के अध्यक्ष बिपिन सिंह ने बैठक में कहा कि हजारीबाग के पत्रकारों ने एयर एम्बुलेंस हादसे में मृत लोगों के परिजनों के दर्द को लेकर सवाल उठाया था। यह उनका अधिकार है, लेकिन मंत्री को जवाब देने के बजाय गुस्सा क्यों आया ? उनकी मौजूदगी में पत्रकारों पर हमला क्यों हुआ और घटना के बाद वे मौके से क्यों चले गए ? यह बेहद गंभीर सवाल है, जिसका जवाब जनता और पत्रकार दोनों मांग रहे हैं। बैठक में उपाध्यक्ष परमानंद आर्य, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मित्तल, संरक्षक चंद्रेश शर्मा, दीनबंधु, सूर्यकांत कमल, सोनू भारती, जितेंद्र, रवि, शाहफहद अली व गौतम समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

पत्रकार पर हमले के विरोध में खूंटी के पत्रकारों ने बांधी काली पट्टी

खूंटी : हजारीबाग में पत्रकार के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना को लेकर अब पूरे राज्य में पत्रकारों के बीच आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में खूंटी जिले के पत्रकारों ने एकजुट होकर घटना का विरोध जताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि मंत्री इरफान अंसारी से सवाल पूछने के बाद उनके समर्थकों द्वारा पत्रकार के साथ कथित रूप से मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया। इस घटना को पत्रकारों ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।

घटना के विरोध में बुधवार को समाहरणालय परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में जिले के कई पत्रकार काली पट्टी बांधकर पहुंचे। पत्रकारों ने कहा कि सवाल पूछना पत्रकारिता का मूल अधिकार है और इस तरह की घटनाएं प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला हैं। पत्रकारों ने राज्य सरकार से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा कि यदि दोषियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आगे और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

शराब घोटाला: कारोबारी नवीन केडिया को हाईकोर्ट से राहत, मिली जमानत

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के चर्चित शराब घोटाले में आरोपित शराब कारोबारी नवीन केडिया को हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए सशर्त जमानत दे दी है। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया है कि केडिया को निचली अदालत में पांच लाख रुपये का बेल बॉन्ड जमा करना होगा।

जमानत के साथ सख्त शर्तें: अदालत ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी तय की हैं। केडिया को अपना पासपोर्ट निचली अदालत में जमा करना होगा। इसके अलावा बेलर उनका नजदीकी रिश्तेदार होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा है कि वह अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अदालत को उपलब्ध कराएं। साथ ही, जांच अधिकारी जब भी बुलाएं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

अदालत में क्या हुआ: इस मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनुभा रावत चौधरी की अदालत में हुई। केडिया की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता देवाशीष भारूका ने पैरवी की, जबकि एसीबी की ओर से सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल सुमित गाड़ोदिया ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने अदालत में कहा कि शराब घोटाले में केडिया की भूमिका गंभीर है, इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

पहले भी खारिज हो चुकी थी जमानत: इससे पहले केडिया ने एसीबी की विशेष अदालत में जमानत की अर्जी दी थी, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली थी। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। हालांकि, पहले भी हाईकोर्ट उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुका था, क्योंकि उस समय वह फरार थे।

क्या है पूरा मामला: नवीन केडिया पर आरोप है कि उन्होंने झारखंड की पुरानी उत्पाद नीति के दौरान निम्न गुणवत्ता वाली देसी शराब की आपूर्ति की। यह मामला सामने आने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने जांच शुरू की थी।

गोवा से हुई थी गिरफ्तारी: केडिया को 7 जनवरी 2026 को गोवा से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 9 जनवरी को गोवा की अदालत ने उन्हें चार दिन की अंतरिम जमानत दी थी। शर्त के मुताबिक उन्हें 12 जनवरी तक एसीबी रांची के सामने सरेंडर करना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की मांग ठुकराई गई: आरोपी ने अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि पहली पेशी के लिए शारीरिक रूप से उपस्थित होना जरूरी है, जैसा कि झारखंड हाई कोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम 2025 में प्रावधान है। इस फैसले के बाद अब मामले की जांच आगे बढ़ेगी और केडिया को तय शर्तों का पालन करना होगा।

रांची पहाड़ी मंदिर समिति भंग करने पर बढ़ा विवाद झारखंड हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल

संवाददाता

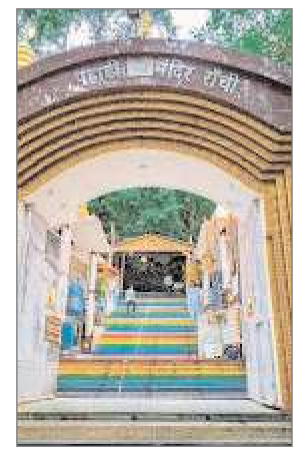

रांची: झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से अधिसूचना के खिलाफ पहाड़ी मंदिर विकास समिति की ओर से झारखंड हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई है। उक्त याचिका समिति की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा और आद्या मिश्रा ने याचिका दाखिल की है।

जिसमें हाई कोर्ट के पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने और उसका उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। पूर्व में कोर्ट ने समिति के सुनवाई का मौका देते हुए उचित निर्णय पारित करने का आदेश दिया गया था। लेकिन न्यास बोर्ड ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए समिति भंग कर दी है। याचिका में समिति की ओर से कहा गया कि न्यास बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना में रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति को भंग करने तथा नई समिति गठन से संबंधित कार्रवाई की गई है, जो एकतरफा, तथ्यहीन एवं कानून विरुद्ध है। यह कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेशों के विपरीत है।

याचिका में कहा गया है कि पूर्व में इस संबंध में हाई कोर्ट में 24 सितंबर 2024 को पारित आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि किसी भी प्रतिकूल कार्रवाई से पूर्व समिति को समुचित अवसर प्रदान करते हुए विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाई जाए।

इसके बाद बिना निष्पक्ष सुनवाई एवं बिना समिति के उत्तर पर समुचित विचार किए न्यास ने अधिसूचना जारी कर दी। समिति का यह भी कहना है कि उक्त अधिसूचना हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में भी आती है।

रांची स्मार्ट सिटी को लेकर मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश

विकास परियोजना के क्रियान्वयन में आ रही सभी अड़चनों को अविलंब दूर किया जाये

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए गठित हाई पावर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिया कि परियोजना के क्रियान्वयन में आ रही सभी अड़चनों को अविलंब दूर कर काम को गति दी जाए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि रांची का विकास केवल कंक्रीट का ढांचा खड़ा करना नहीं, बल्कि नागरिक सुविधाओं का विस्तार और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना भी है।

विकास के साथ प्रकृति का तालमेल: बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण निर्देश दिया कि सभी विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों से दोटूक कहा कि किसी भी योजना के क्रियान्वयन में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि प्रकृति को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पौधरोपण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने और शहरी क्षेत्रों में हरियाली बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने पर बल दिया। उनके अनुसार, स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल तकनीकी रूप से उन्नत होना नहीं, बल्कि रहने योग्य होना भी है।

राजस्व सृजन और परिसंपत्तियों का प्रबंधन: स्मार्ट सिटी को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से बैठक में ई-ऑक्शन एवं अन्य माध्यमों से राजस्व सृजन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपलब्ध भूमि और अन्य परिसंपत्तियों का समुचित एवं योजनाबद्ध उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागीय मास्टर प्लान की समीक्षा करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी के अंतर्गत आने वाली सभी योजनाएं व्यावहारिक और सीधे तौर पर जनहित से जुड़ी होनी चाहिए ताकि आम जनता को इनका लाभ मिल सके।

पर्यटन और तकनीक का संगम: बैठक में केवल बुनियादी ढांचे पर ही नहीं, बल्कि पर्यटन विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न परियोजनाओं को थ्री-डी (3डी) एनीमेशन और वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों के समग्र विकास और उनकी आकर्षक प्रस्तुति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और कई विभागों के सचिव उपस्थित थे, जिन्हें मुख्यमंत्री ने संसाधनों के अधिकतम और प्रभावी उपयोग के लिए जवाबदेह बनाया।

ईरान कल्चरल हाउस में सैयद शाहरुख हसन रिजवी ने जताई एकजुटता

ईरान में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा पर दिया जोर

भारत के लिए क्रूड ऑयल आपूर्ति जारी रखने की अपील, ईरान के साथ खड़े होने का किया ऐलान

मेट्रो रेज

रांची/नई दिल्ली: समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष सैयद शाहरुख हसन रिजवी ने दिल्ली स्थित ईरान कल्चरल हाउस में ईरान के राजदूत महामहिम डॉ। मोहम्मद फतहाली तथा ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि आयतुल्लाह अब्दुल मजीद हकीम इलाही से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस दौरान वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, भारत-ईरान संबंधों, मानवीय मुद्दों और वैश्विक शांति पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान सैयद शाहरुख हसन रिजवी ने कहा कि भारत के लिए होने वाली क्रूड ऑयल आपूर्ति को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे आम जनता और देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उन्होंने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सुविधा और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने की भी अपील की।

उन्होंने कहा, इस दुख की घड़ी में हम लोग ईरान के साथ मजबूती से खड़े हैं और वहां के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। मानवता और शांति की रक्षा के लिए सभी देशों को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

इस प्रतिनिधिमंडल में मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी, सैयद अजफर नकवी, सैयद समर अली, मौलाना इतरत हुसैन, मौलाना मुज्तबा अली, मौलाना सादिक हुसैन, अफजल दुरानी सहित अन्य लोग भी शामिल थे।

मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जहां दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने पर बल दिया।

दौड़ा दौड़ाकर पीटे गए अंचल कर्मी जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप

मेट्रो रेज

गुमला : जिले के चैनपुर प्रखंड अंतर्गत खेड़ा गांव में जमीन सीमांकन के दौरान अंचल कर्मियों पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में एक राजस्व कर्मचारी घायल हो गए हैं, जबकि अन्य कर्मियों को मौके से भागकर अपनी जान बचानी पड़ी।

सीमांकन के दौरान विवाद: प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेड़ा गांव निवासी शिव प्रसाद साहू के आवेदन पर अंचलाधिकारी के निर्देश के बाद चैनपुर अंचल के कर्मचारी जमीन का सीमांकन करने गांव पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने विरोध करते हुए कर्मियों पर हमला कर दिया।

महिला ने चप्पलों से किया हमला: हमले के दौरान राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार सिंह पर एक महिला द्वारा चप्पलों से वार किया गया, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। स्थिति बिगड़ने पर कर्मियों ने वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन कुछ लोगों ने उन्हें दौड़ा दौड़ाकर पीटा।

पुलिस ने संभाली स्थिति: घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। विवाद बढ़ जाने के कारण जमीन का सीमांकन कार्य पूरा नहीं हो सका और कर्मियों को बैरंग लौटना पड़ा।

थाने में दर्ज हुई शिकायत: घटना के बाद राजस्व कर्मचारियों ने संबंधित थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई खेड़ा गांव के एक आवेदन के आधार पर की जा रही थी।

कर्मचारियों में आक्रोश और डर: इस घटना के बाद चैनपुर अंचल के कर्मियों में आक्रोश और भय का माहौल है। कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से सरकारी कार्यों के निष्पादन में कठिनाई उत्पन्न होती है।

सुरक्षा व्यवस्था की मांग: अन्य अंचल के कर्मियों ने भी चिंता जताई है कि दूर दराज क्षेत्रों में सीमांकन कार्य के दौरान उनके साथ भी ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

शादी के चार दिन बाद युवक ने लगायी फांसी

तमाड़: थाना क्षेत्र के उलीडीह गांव के युवक बासुदेव सिंह मुंडा (29) ने गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर खेत में पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह जब ग्रामीण खेतों में काम करने पहुंचे, तो उनकी नजर पेड़ से लटक रहे शव पर पड़ी। इसके बाद ग्रामीणों ने मृत युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर तमाड़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेजा। बताया जा रहा है कि बासुदेव सिंह मुंडा की शादी महज चार दिनों पहले 24 अप्रैल को ही हुई थी। तमाड़ थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

रांची सहित 12 जिलों में आज भी बारिश मेघ गर्जन- तेज हवा का अलर्ट

अगले 3 दिन में 4 डिग्री गिरेगा पारा, ऑरेंज अलर्ट जारी

संवाददाता

रांची: झारखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम केंद्र, रांची के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिलेगी। खास बात यह है कि आज पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भागों के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में भी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। इस वजह से झुलसाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। तापमान में 2-4 डिग्री की कमी रिकॉर्ड हुई है।

बदला रहेगा मौसम का मिजाज: मौसम केंद्र के अनुसार उत्तर-पश्चिमी झारखंड के पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार और उत्तर-पूर्वी झारखंड के देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज में भी बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं बारिश और गर्जन के आसार हैं। दक्षिणी झारखंड के पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में भी मौसम सक्रिय रहेगा।

मौसम केंद्र ने जारी किया अलर्ट: मौसम केंद्र, रांची ने आज के लिए विशेष चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि राज्य के पूर्वी और आसपास के मध्य भागों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। वहीं, राज्य के अन्य हिस्सों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और गरज-चमक के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है।

मई के पहले सप्ताह में कैसा रहेगा मौसम?

पूवार्नुमान के मुताबिक 1 मई से 5 मई तक राज्य में मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही बना रहेगा। इस दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही गरज-चमक और तेज हवा का सिलसिला जारी रहेगा।

प्रमुख जिलों के तापमान का हाल: मौसम केंद्र के ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में झारखंड के अधिकांश जिलों में तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। कई इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान में गिरावट ने लोगों को हल्की राहत भी दी है। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 18.0 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.0 डिग्री कम दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। जबकि न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री के साथ 2.7 डिग्री नीचे रहा।

डालटनगंज रहा सबसे ज्यादा गर्म: डालटनगंज राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। बोकारो में 41.5 डिग्री तापमान दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.6 डिग्री ज्यादा है। वहीं, चाईबासा में भी गर्मी का असर दिखा, यहां अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक है।

न्यूनतम तापमान में गिरावट से राहत: अगर न्यूनतम तापमान की बात करें तो लगभग सभी प्रमुख जिलों में यह सामान्य से नीचे रहा। रांची में 4.0 डिग्री, जमशेदपुर में 2.7 डिग्री, डालटनगंज में 1.6 डिग्री और चाईबासा में 2.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इससे रात और सुबह के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना हुआ है।

भोक्ताओं ने की फूलखूंदी छऊ नृत्य ने मोहा मन

संवाददाता

अनगड़ा: गेतलसूद में बुधवार की शाम फूलखूंदी की गयी। 200 से अधिक भोक्ताओं ने नंगे पैर दहकते अंगारों पर चलकर भगवान शिव के प्रति अपने अटूट आस्था का परिचय दिया। वहीं झूलन में महिलाओं ने श्रद्धा के फूल आंचल में झोंके। रात्रि जागरण में पश्चिम बंगाल से आयीं दो छऊ नृत्य टीमों के बीच शानदार मुकाबला हुआ। कलाकारों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विधायक राजेश कच्छप, भाजपा के जैलेंद्र कुमार, प्रमुख दीपा उरांव, मुखिया शांति कच्छप भी उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि मंडा हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आस्था का प्रतीक है। यह सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। श्री कुमार ने कहा कि मंडा पूजा झारखंड के छोटानागपुर का एक प्रमुख पर्व है। इसे सदियों से आदिवासी समाज सहित यहां के सभी लोग मिल-जुलकर मनाते आ रहे हैं। पूजा को सफल बनाने में अध्यक्ष कार्तिक नायक, सचिव गणेश नायक, सुजीत बैठा, अरुण महतो, अजय तिर्की, संजय नायक, राजेश लोहरा, गणेश लोहरा, मुकेश लोहरा, गंगाधर नायक, भोला महतो, मुन्ना नायक, सोनू नायक व ग्रामीणों ने सहयोग किया।

आईसीएसई के 10वीं व आईएससी के 12वीं का रिजल्ट जारी

रांची: काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) द्वारा आयोजित आईसीएसई (कक्षा 10वीं) और आईएससी (कक्षा 12वीं) परीक्षा 2026 के परिणामों में झारखंड ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर अपनी मजबूत शैक्षणिक पहचान को कायम रखा है। राज्य के 100 से अधिक स्कूलों से हर साल की तरह इस वर्ष भी हजारों छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए और परिणाम उम्मीद से बेहतर रहा।

आईसीएसई-आईएससी दोनों में छात्रों का बेहतर प्रदर्शन रहा: झारखंड में आईसीएसई-आईएससी बोर्ड की मजबूत उपस्थिति खासतौर पर रांची, जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम) और धनबाद जैसे शहरों में देखने को मिलती है। केवल रांची जिले में ही 20 से अधिक स्कूल इस बोर्ड से संबद्ध हैं। जबकि पूरे राज्य में इनकी संख्या 100 से 150 के बीच आंकी जाती है। इन स्कूलों में बिशप वेस्टकोट, लोयोला स्कूल, नरभेराम हंसराज, सेंट थॉमस और सेवेंथ डे एडवेंटिस्ट, सेंट जेवियर स्कूल, लोरेटो स्कूल, बिशप स्कॉट जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं, जो हर साल उत्कृष्ट परिणाम के लिए जाने जाते हैं।

झारखंड का शानदार प्रदर्शन

इस वर्ष जारी परिणामों के अनुसार, क्ळरए (10वीं) परीक्षा में झारखंड से कुल 16,693 छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिनमें 8,696 लड़के और 7,997 लड़कियां थीं। इस परीक्षा में कुल 99.02 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे। वहीं, आईएससी (12वीं) परीक्षा में 4,858 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 2,333 लड़के और 2,525 लड़कियां शामिल थीं। आईएससी परीक्षा का कुल पास प्रतिशत 99.14 दर्ज किया गया, जो राज्य के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाता है।

लड़कियों ने फिर मारी बाजी: हर साल की तरह इस बार भी लड़कियों ने लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई परीक्षा में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.17 रहा, जबकि लड़कों का 98.88 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसी प्रकार आईएससी परीक्षा में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.33 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का 98.93 प्रतिशत रहा। यह आंकड़े राज्य में बेटियों की शिक्षा में बढ़ती भागीदारी और सफलता को रेखांकित करते हैं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नई बयारः अधेड़ भारतीयों में आकर्षक दिखने की चाहत

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं।

इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। पूरे भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं। इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के ईवाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है। वे कहते हैं, ह्लये सिर्फ झुर्रियाँ मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है। लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है।

सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है। पहले एम्स से जुड़ी रही प्लास्टिक सर्जन डॉ. श्रेया गर्ग, जो अब अलोइसियावाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि ह्लइन्होंने कुछ करवाया हैह्व दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं। विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है। इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं। सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है। भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्रदराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं। भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें। आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को अधिकृत करने की एक और कोशिश

देशभर से रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में दिल्ली आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी लेने वाली डीडीए इस काम में कब की फेल हो चुकी है। डीडीए लोगों को रहने के लिए घर देना तो दूर अपनी जमीन की हिफाजत तक नहीं कर पाई।

मनोज कुमार मिश्र

केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ दिल्ली नगर निगम ने 1731 में से 1511 अनधिकृत कालोनी के करीब दस लाख परिवार को मालिकाना हक देने का फैसला किया है। दिल्ली की अधिकांश जमीन का मालिकाना हक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पास है। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ 21 अप्रैल को साझा संवाददाता सम्मेलन करके इसकी जानकारी दी।

इससे पहले 23 अक्तूबर, 2019 को तत्कालीन केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत नाम मात्र का शुल्क लेकर कुछ अपवाद को छोड़ कर सरकारी और निजी जमीन पर बनी कालोनियों को निवासियों को मालिकाना हक देकर उसे नियमित किया जाएगा। उसी की अगली कड़ी में मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। यह भी कहा कि जहां है, जैसा है -के आधार पर कालोनियां नियमित की जाएगी।

देशभर से रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में दिल्ली आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी लेने वाली डीडीए इस काम में कब की फेल हो चुकी है। डीडीए लोगों को रहने के लिए घर देना तो दूर अपनी जमीन की हिफाजत तक नहीं कर पाई। डीडीए की हजारों एकड़ जमीन पर भू-माफिया सरकारी कर्मचारियों और नेताओं के साथ मिलकर लगातार अनधिकृत कालोनी बसा रहे हैं। पहले तो नेता ऐसे लोगों को वोट और नोट के लिए संरक्षण देते थे, अब तो अनेक माफिया चुनाव जीत कर निगम पार्षद, विधायक और सांसद बनने लगे हैं। वोट की राजनीति में कोई भी दल किसी भी अनधिकृत कालोनी को तोड़ने की हिम्मत नहीं कर सकता है। आज तक इस तरह की कालोनी को बसाने वाले एक भी भू-माफिया पर कारवाई नहीं हुई है। यही हाल अवैध झुग्गियों का है।

यह नियम बन गया है कि किसी झुग्गी परिवार को बिना वैकल्पिक जगह दिए नहीं हटाया जाएगा। बावजूद इसके दिल्ली के मुख्य इलाकों से हटाकर दिल्ली की सीमा पर बसाने पर भी विवाद होता रहा है। पूर्व नौकरशाह और केन्द्र सरकार में मंत्री रहे जगमोहन को 2004 के लोकसभा चुनाव में झुग्गी हटाने को मुद्दा बना कर हरा दिया। खुद जगमोहन का कहना था कि उनके खिलाफ कांग्रेस के ही नहीं भाजपा का एक वर्ग सक्रिय था। जबकि वास्तव में झुग्गी बस्तियों को व्यवस्थित तरीके से नए स्थान पर बसाने और यमुना नदी में गंदगी जाने से रोकने का जैसा अभियान जगमोहन ने शुरू किया था, वैसा उसके बाद अभी तक दोबारा नहीं हो पाया।

करीब 365 गांव की जमीन पर 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली बसी है। 1911 में राजधानी बनने के बाद इसका आखिरी बार विस्तार 1911 में हुआ जब मेरठ जिले के यमुना पार के 65 गांव दिल्ली के इलाके में शामिल किए गए। पहली संपन्न दिल्ली आज की सिविल लाइंस और उत्तरी दिल्ली है जो पुरानी दिल्ली से लगा हुआ था। अंग्रेजों ने नई दिल्ली यानी लुटियन दिल्ली बनाई। देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से आए विस्थापितों को आज के दक्षिणी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के लाजपत नगर, राजेन्द्र नगर आदि कालोनियां में सरकार ने प्लाट देकर बसाया। उन्होंने अपने उद्यम से दक्षिणी दिल्ली को सबसे समृद्ध इलाका बना दिया। रोजगार आदि के लिए देश के दूसरे राज्यों से लोगों का आना हर रोज बढ़ता ही गया। भू-माफिया ने नेताओं, सरकारी कर्मचारियों और पुलिस से मिलीभगत करके गांवों की खाली जमीन पर अनधिकृत कालोनी और झुग्गियां बसाने का अभियान चलाया। उन्हें नोट मिले और नेताओं को नोट के साथ वोट भी मिले।

दिल्ली को विकसित करने के लिए 1957 में बनाया गया दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपनी भूमिका कभी पूरी नहीं की।उसके अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार के खेल में अव्वल भूमिका निभाते आ रहे हैं। जरूरतमंदों को उचित कीमत पर घर देने के बजाए अपनी जमीन पर अवैध कालोनी बसाने में सहयोगी बने रहे। यह कैसे संभव है कि हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा हो गया और डीडीए के अधिकारियों को इसका पता नहीं चला।

पहली बार कांग्रेस ने अपना वोट बैंक पक्का करने के लिए 1071 में 54 कालोनियां को नियमित किया। इसमें कांग्रेस नेता हरकिशन लाल भगत ने यमुना पार की लक्ष्मीनगर, शकरपुर आदि कालोनियों को नियमित करवाया। यही काम बाहरी दिल्ली में सज्जन कुमार ने कराए। झुग्गी वालों को जेजे कालोनी में मकान देने के अलावा ?मुना पार और बाहरी दिल्ली में मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, नंदनगरी, सीलमपुरी, गोकुलपुरी इत्यादि अनेक पुनर्वास कालोनी बसा दी। 1976-77 में आपातकाल में लोगों की नाराजगी दूर करने के लिए 514 रुपए प्रति वर्गमीटर विकास शुल्क देकर 607 कालोनियों के नियमित करने की घोषणा की गई। वास्तव में 567 कालोनियां ही नियमित हो पाई और वह भी बिना विकास शुल्क के।

कांग्रेस नेता चतर सिंह कहते हैं कि 1977 में तो इन कालोनियों के निवासियों ने जनता पार्टी को वोट किया लेकिन बाद में लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहे। इन्हीं नियमित और अनियमित अनधिकृत कालोनियों और पुनर्वास बस्तियों के निवासियों के बूते ही महानगर परिषद के आखिरी चुनाव में कांग्रेस जीती। उस चुनाव के बाद भाजपा नेता मदनलाल खुराना ने पहली बार इन बस्तियों में भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन तैयार की। इसी बीच में दिल्ली को विधानसभा मिली और 1993 में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ। चुनाव में भाजपा जीती और मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बने। अपने वायदे के हिसाब से एरियल सर्वे करवाकर 1071 कालोनियों को नियमित करने की विधानसभा में घोषणा की। एक तो केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और दूसरे जैन हवाला कांड में नाम आने पर खुराना ने इस्तीफा दे दिया। फिर साहिब सिंह और आखिरी चार महीने सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री रही। बिना कालोनी नियमित किए भाजपा सरकार की 1998 में विदाई हो गई।

दिसंबर 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस की दिल्ली में सरकार बन गई। इस बीच में कालोनियों की संख्या बढ़ गई। पहले भू-माफिया नेताओं को साथ लेकर अवैध कालोनी बसाते थे। अब तो कालोनी बसाने वालों में कई पैसे के बल पर विधानसभा पहुंच गए। एक समय ऐसा आया कि दिल्ली की कांग्रेस सरकार के शहरी विकास मंत्री डाक्टर अशोक कुमार वालिया को उनके ही दल के विधायकों ने विधानसभा में बयान नहीं देने दिया। उन्होंने सदन में बताया कि जिन 1071 कालोनी की सूची तैयार की गई है उनमें से 762 के ही ले आउट प्लान और फाइल उपलब्ध हो पाया है। बाद में यह संख्या 810 हो पाई यानी करीब ढाई सौ कालोनी का वजूद दी नहीं है। फर्जी तरीके से यह संख्या लगातार बढ़ाई जाती रही। यह बढ़कर 1639 हो गई।

2008 के चुनाव से पहले दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से आधे से अधिक बसावट वाली 1218 कालोनी को नियमित करने का अस्थाई प्रमाण पत्र दिलवाए। बाद में कालोनी की संख्या पर हंगामा हो गया। एक-एक कालोनी का सर्वे किया गया तो पता चला कि 43 कालोनी का वजूद ही नहीं है और 137 कालोनी में बसावट दस फीसदी से कम है। 1018 कालोनी विवाद रहित है। 2013 के विधानसभा चुनाव से पहले 895 को नियमित करने की घोषणा की गई। इसके लिए निजी जमीन पर बनी कालोनी के लिए दो सौ रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से और सरकारी जमीन पर बनी कालोनी के लिए 575 रुपए विकास शुल्क लेना तय किया गया। लेकिन कालोनी नियमित नहीं हो पाई।

भगवान श्री नृसिंह प्राकट्योत्सव; अहंकार की पृष्ठभूमि पर लिखी गई सर्वनाश की परिभाषा

वे अपने प्रेमी भक्तों को आत्मा का दिव्य आनंद प्रदान करने एवं दूषित वृत्तियों के विनाश हेतु कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण और कभी नृसिंह रुप में इस धरा धाम पर प्रकट होकर जहां अपने निजजनों को प्रेमानंद प्रदान करते हैं, वहीं पाशविक वृत्तियों का नाश कर धर्म राज्य की स्थापना करते हुए जनमानस को निर्भयता प्रदान करते हैं।

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

भगवान के अपने ही सेवक अहंकार के वशीभूत होकर जब अनाधिकार चेष्टा एवं अमर्यादित आचरण करते हुए, सिद्ध महात्माओं को अपमानित करने लगते हैं और प्रभु दर्शन में बाधक बन जाते हैं, तब भगवान् श्री हरि दंडस्वरूप उन्हें शापित करवाकर और उनकी अहंकार मूलक मनोवृत्ति का नाश कर उनके अंतःकरण को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं किंतु भगवान् द्वारा किए गए ऐसे दंड विधान के मूल में भी उनकी कृपा ही छिपी होती है, जिसे प्राप्त कर जीव कृतकृत्य हो जाता है।

स्वयं प्रकाश परमात्मा जिनके पावन नामों का उच्चारण करने वाला पुरुष सनातन मोक्ष पद को प्राप्त हो जाता है, वे ही पुराण पुरुषोत्तम भगवान सम्पूर्ण विश्व के आत्मा, विश्व स्वरूप और सबके स्वामी हैं, वे अपने प्रेमी भक्तों को आत्मा का दिव्य आनंद प्रदान करने एवं दूषित वृत्तियों के विनाश हेतु कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण और कभी नृसिंह रुप में इस धरा धाम पर प्रकट होकर जहां अपने निजजनों को प्रेमानंद प्रदान करते हैं, वहीं पाशविक वृत्तियों का नाश कर धर्म राज्य की स्थापना करते हुए जनमानस को निर्भयता प्रदान करते हैं।

दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त कर सप्त द्वीपों के अखंड राज्य सहित इन्द्रासन पर अधिकार प्राप्त कर लिया तथा समस्त लोकों को जीतकर वह दिग्विजयी दैत्यराज सबका एकछत्र सम्राट बनकर स्वच्छंदता पूर्वक विषयों का भोग करते हुए और स्वयं को ईश्वर घोषित कर धर्म पथिकों पर अत्याचार करने लगा, परिणामस्वरूप उसकी आतंकपूर्ण, निरंकुश एवं स्वैच्छाचारी वृत्तियों से मृत्युलोक सहित अन्य सभी लोक भयाक्रांत हो गए और सब तरफ हाहाकार मचने लगा किंतु जब अपनी पापमयी कुत्सित वृत्तियों से वह देवता, वेद, गाय, ब्राह्मण, साधु और धर्म को अपमानित तथा भगवान् से द्वैष करने लगा, तब वरदान जनित शक्ति से संपन्न उस आतंकवादी योद्धा का भगवान् नृसिंह द्वारा वध कर दिया गया।

दैत्यराज हिरण्यकश्यपु के अत्याचार, आतंक और स्वैच्छाचारिता के मूल में अहंकार वश की गई अनाधिकार चेष्टा के साथ ही सेवक धर्म की अवहेलना से उपजा यथार्थ भी था, जिसके परिणामस्वरूप प्रभु प्रेरित होकर सनकादि मुनियों ने प्रभु के दो सेवकों जय और विजय को दैत्य कुल में जन्म लेने का श्राप दिया था। सनकादिकों से शापित जय विजय ही दैत्यों के कुल में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु के रूप में जन्में और दैत्य समुदाय से मसीहा के रूप में सम्मानित हो गए किंतु उनकी अहंकारी वृत्ति ने अंततः उन्हें पराभव की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। दैत्याधिपति हिरण्यकशिपु विकट तपोसाधना के बल पर भगवान् ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त करने में तो सफल हुआ किंतु वह वरदान लोक हितार्थ नहीं होकर अपने अहंकार की परिपुष्टि करने वाले थे इसलिए वे अंततः उसके विनाश का ही कारण बने।

भगवान् कभी किसी को मारते नहीं बल्कि उसके लोक निंदित कर्मों के लिए उचित दंड विधान सुनिश्चित कर उसे स्वधर्म पालन की ओर अग्रसर करते हैं, वे अपने निज जनों को भी उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए उन्हें क्षमा नहीं करते हैं बल्कि दंड के माध्यम से उन्हें अपनी भूल का एहसास कराते हुए उनकी दोषपूर्ण वृत्तियों का नाश कर उनके हृदय को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं। इस तरह भगवान् के ऐसे दंड विधान में भी उनके निजजनों का सर्वतोमुखी हित ही समाहित होता है। यही कारण था कि भगवान् श्री विष्णु के सेवकों जय और विजय द्वारा जब सनकादि मुनियों के प्रति उद्दंडतापूर्वक एवं अमर्यादित व्यवहार किया गया तो उन्हें उन महात्माओं द्वारा ही शापित कराकर वैकुंठ लोक से निष्कासित किया गया। जय विजय का हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के दैत्य कुल में जन्म ग्रहण करना तथा उनके द्वारा निंदनीय कर्मों के बाद नियत समय में उनकी वैकुंठ वापसी प्रभु कृपा की अप्रतिम मिसाल है। भगवान् विष्णु के इस अवतार के मूल में केवल प्रह्लाद की रक्षा ही नहीं थी बल्कि उनकी दिव्य प्रेमा भक्ति, प्रभु के प्रति सर्वस्व समर्पण और अटूट आस्था भी थी, जिसके वशीभूत होकर भगवान् श्री हरि विष्णु को अवतार लेने हेतु बाध्य होना पड़ा।

भगवान् नृसिंह के प्राकट्य होने और हिरण्यकशिपु के पराभव ने इस बात को रेखांकित किया है कि सत्ता के अहंकार में लिप्त होकर लोकजीवन को आतंकित एवं भयाक्रांत करने वाले निरंकुश, अत्याचारी और दुष्ट शासक का अंत सुनिश्चित है।

ब्रह्मा के वरदान से आत्ममुग्ध हुआ महाबली हिरण्यकशिपु भयाक्रांत कर देने वाले अपने शासन में आतंक, अत्याचार और उत्पीड़न की नित नई परिभाषाएं लिखने लगा, परिणामस्वरूप उसकी प्रजा दुःख, ग्लानि एवं अवसाद से भर गई और पृथ्वी सहित तीनों लोकों में हाहाकार मच गया किंतु उस वक्त उस दुष्ट के अत्याचार, धर्म की सभी सीमा रेखाओं को लांघ गए, जब अहंकार के मद में वह अपने ही भगवद् परायण पुत्र और भगवान् के प्रिय भक्त प्रह्लाद को मौत के घाट उतारने हेतु उद्यत हो गया, तब भगवान् श्री विष्णु खंब तोड़ कर नृसिंह रुप में प्रकट हुए और दैत्यराज हिरण्यकशिपु के अत्याचार, आतंक एवं स्वैच्छाचारिता का अंत कर धर्म राज्य की स्थापना की तथा प्रह्लाद सहित संपूर्ण लोकजीवन को अभयत्व प्रदान किया। भगवान् विष्णु के विभिन्न अवतारों में यह अवतार पौराणिक काल की ऐसी अद्भुततम घटना थी, जिसने साधना के अहंकार को नेस्तनाबूद कर दिया।

दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने तप के बल पर दिव्य शक्तियां प्राप्त कर उनके दुरुपयोग को ही अपनी सफलता माना था, किंतु जब वह दंडित किया गया तो यह मिथक स्वयंमेव खंड खंड हो गया कि साधन सिद्ध पुरुष ही परम शक्ति है, जिसे कभी कोई चुनौती नहीं दे सकता।

नृसिंह अवतार के माध्यम से भगवान् श्री विष्णु ने एकतरफ जहां दैत्यराज हिरण्यकशिपु की स्वैच्छाचारिता, अमर्यादित आचरण और अत्याचारपूर्ण क्रियाकलापों पर रोक लगाई, वहीं दूसरी तरफ स्वधर्म पालन में रत अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा कर उन्हें अभयत्व भी प्रदान किया। यह भगवान् का अपने निज जनों पर कृपा का ही एक तरीका है। वस्तुतः भगवान् श्रीहरि के नृसिंह रुप में आक्रोश अवतार का उद्देश्य केवल हिरण्यकशिपु का वध नहीं था बल्कि अहंकार के व्यामोह में अपनी मयार्दाओं का हनन कर प्रजाजनों को दारुण दुःख दिए जाने और उन पर अत्याचार किए जाने वाले एक दुष्ट शासक को दंड देकर सुधारने की एक प्रक्रिया थी, साथ ही उसमें अपने भक्त की रक्षा कर उसे अभयत्व प्रदान करने का महाविधान भी समाहित था।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

नरसिंह जयंती व्रत से मिलती है शत्रुओं पर विजय

आज नरसिंह जयंती है, नरसिंह जयंती हिंदू धर्म का एक पवित्र पर्व है और नरसिंह जयंती का विशेष महत्व है। यह त्यौहार भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार की स्मृति में मनाया जाता है तो आइए हम आपको नरसिंह जयंती व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें नरसिंह जयंती व्रत के बारे में

पंडितों के अनुसार भगवान नरसिंह को श्री विष्णु के 10 अवतारों में से एक हैं, उन्हें चौथे अवतार के रूप में पूजा जाता है। उनकी पूजा विष्णु जी के रौद्र अवतार के रूप में होती है। भगवान नरसिंह का आधा शरीर मनुष्य और आधा शेर का है इसी वजह से उनकी पूजा इसी स्वरुप में होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब विष्णु जी के भक्त प्रह्लाद पर विपदा आई थी तब श्री हरि ने नरसिंह रूप धारण करके भक्त प्रह्लाद की रक्षा की थी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु नरसिंह अवतार धारण किया था, तभी से इस दिन को नरसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग भगवान के नरसिंह अवतार की पूजा करते हैं और घर की समृद्धि और रक्षा की कामना करते हैं।

नरसिंह जयंती का शुभ मुहूर्त

पंडितों के अनुसार पूजा का सबसे शुभ समय मध्याह्न संकल्प और पूजा मुहूर्त माना जाता है, जो सुबह 10.59 बजे से दोपहर 01.38 बजे तक रहेगा। इसके अलावा सायंकाल पूजा का समय शाम 04.17 बजे से 06.56 बजे तक शुभ माना गया है. भक्त इस अवधि में पूजा और व्रत का पालन करते हैं।

नरसिंह जयंती का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नरसिंह जयंती का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व बहुत अधिक है। भगवान अपने सच्चे भक्तों की हमेशा रक्षा कर करते हैं। प्रह्लाद की भक्ति और भगवान नरसिंह का प्रकट होना इस बात का प्रतीक है कि सच्ची आस्था कभी व्यर्थ नहीं जाती। इस दिन व्रत रखने से भय, संकट और और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। भगवान नरसिंह की कृपा से जीवन में आने वाले संकटों का नाश होता है। वे अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। उनकी पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा नरसिंह जयंती के दिन व्रत रखने और भगवान नरसिंह की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और साथ ही ग्रह-दोष से भी मुक्ति मिलती है।

नरसिंह जयंती पर ऐसे करें पूजा, होगा लाभ

पंडितों के अनुसार नरसिंह जयंती का व्रत बहुत खास होता है इसलिए इस दिन सुबह उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से पवित्र करें। एक वेदी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं और भगवान नरसिंह की प्रतिमा स्थापित करें। अगर नरसिंह जी की प्रतिमा न हो तो भगवान विष्णु की तस्वीर भी स्थापित कर सकते हैं। पूजा शुरू करने से पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें। भगवान नरसिंह की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराएं। चंदन, कुमकुम, हल्दी और गुलाल आदि चीजें अर्पित करें और उन्हें पीले या लाल रंग के वस्त्र पहनाएं और पीले फूलों की माला चढ़ाएं। भगवान नरसिंह को फल, मिठाई, विशेष रूप से गुड़ और चना अर्पित करें। पूजा में तुलसी दल जरूर शामिल करें और घी का दीपक जलाएं। भगवान नरसिंह के मंत्रों का जाप करें, अंत में भगवान नरसिंह की आरती करें। पूजा के दौरान हुई गलतियों के लिए माफी मांगे और अपनी क्षमतानुसार गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

नरसिंह जयंती से जुड़ी पौराणिक कथा भी है खास

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए नरसिंह अवतार लिया था, उसमें भगवान नरसिंह का आधा शरीर मनुष्य का और आधा शरीर सिंह का था। वह हिरण्यकश्यप के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए दोपहर के समय खंभा फाड़कर प्रकट हुए थे।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पुलिस की दबिश को देखते हुए न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के दहला निवासी एक पीड़ित परिवार ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिक पुत्री को एक युवक द्वारा बहला फुसला कर अपहरण कर लेने के मामले में प्राथमिक की दर्ज करवाया था। नगर पुलिस नाबालिग किशोरी की बरामदगी को लेकर लगातार दूसरे राज्यों में छापेमारी कर रही थी । लेकिन दोनों प्रेमी जोड़ा बार-बार जगह बदल लेते थे पुलिस की दबिश को देखते हुए दोनों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद न्यायालय के निर्देश पर आरोपित सोभनपुर भट्टा निवासी धीरज कुमार को जेल भेज दिया गया। जबकि बरामद नाबालिग मेडिकल जांच करवाने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि लंबे समय से फरार चलने के बाद न्यायालय ने इश्तिहार वारंट निर्गत किया था इसके बाद नगर पुलिस ने आरोपी के घर जाकर इश्तिहार चिपकाए था और न्यायालय में आत्मसमर्पण करने की बात कही थी।

जेजेए के एक दिवसीय सेमिनार के लिए पत्रकार पतरातू रवाना

साहिबगंज : पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकार बीमा सहित अन्य मांगों को लेकर रामगढ़ के पतरातू में 1 मई को होने वाले जेजेए के एक दिवसीय रास्ट्रीय सेमिनार के लिए साहिबगंज से पत्रकारों का दल अरविंद ठाकुर के नेतृत्व में वनांचल एक्सप्रेस से रवाना हुआ।पतरातू जाने वाले दल में आलोक गुलजार अरविंद यादव अफसर अली नंदन झा चंदन कुमार, विकास झा,मुन्ना यादव सहित अन्य शामिल थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक चंद्रमा यादव का निधन

साहिबगंज : सेवानिवृत शिक्षक का सुबह अपने निवास स्थान डीहारी मिजाचौकी में अंतिम सांस ली।जैसे ही उनकी मृत्यु का खबर उनके परिवार के संबंधी एवं शुभ चिंतकों को मिली शोक का लहर फैल गया।वह लगभग 64 वर्ष के थे। सामाजिक कार्यों में भी उनकी एक पहचान थी।झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष पद पर थे। शिक्षकों को सदा उनकी समस्याओं में बढ़ चढ़कर कर मदद करते थे।वे अपने पीछे चार पुत्र एवं चार पुत्री एक भरपुरा परिवार छोड़ गए।सेवानिवृत्त शिक्षक बचन कुमार पाठक,राम इकबाल सिंह,विधुनाथ आचार्य,प्रदीप कुमार ओझा,जंग बहादुर ओझा,दिनेश ओझा सहित अन्य सेवा निवृत शिक्षक एवं कार्यरत शिक्षक ने दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया प्रभु दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें तथा इस दुखद घड़ी में परिवार को आत्म बल सहने की शक्ति प्रदान करें।

समस्याओं का निदान जल्द कराने का आग्रह

साहिबगंज/बरहरवा: प्रखण्ड परिसर स्थित विधायक कक्ष में जनता दरबार कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान की उपस्थिति में आयोजित की गई।हलाँकि ये जनता दरबार प्रत्येक मंगलवार को लगाई जाती है परन्तु किसी व्यक्तिगत कारणवश बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया।उक्त दरबार मे नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने जमीन से संबंधित,अबुवा आवास एवं पी एम आवास का भुगतान से संबंधित,ग्रीन राशन कार्ड बन्द हो जाने से संबंधित,पेयजल से संबंधित और अन्यान्य समस्या से अवगत कराया।बरकत खान ने लोगों की समस्याओं से अवगत होकर विभागीय अधिकारियों से वातालर्प कर कुछ समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया । बाकी समस्याओं का निदान यथाशीघ्र करवाने का आग्रह किया।जमीन से जुड़े समस्या को लेकर बरकत खान ने विभागीय अधिकारियों से सम्पर्क कर जल्द निदान करने को कहा।इसके अलावे बिनोदपुर पंचायत के आंगनबाड़ी की सेविका से संबंधित मामला भी सहायिका के द्वारा रखा गया बरकत खान ने सुपरवाइजर को जल्द से जल्द अपने स्तर से जॉच कर मामला को निदान कराने का निर्देश दिया।मौके पर जिला महासचिव मिठून कुमार मंडल,आशीष शर्मा,समुद्री बास्की सहित दर्जनों नगर एवं ग्रामीण लोग उपस्थित थें।

डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के चयन में दर्जनों बालिकाओं ने दिखाया दम

साहिबगंज : खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंडी रांची के निदेश के आलोक में जिला खेल कार्यालय साहिबगंज द्वारा सिदो कान्हु स्टेडियम में संचालित बालिका डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण प्रशिक्षण केंद्र के रिक्त स्थान के लिए सिदो कान्हु स्टेडियम, साहेबगंज में प्रातः 6:00 बजे सेएन.एस.टी.सी.नॉर्म्स के आधार पर चयन किया गया। जिसमें दर्जनों बालकाओं ने भाग लिया। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें खिलाड़ियों वजन, ऊंचाई,30 मीटर दौड़, बॉल थ्रो,10 गुणा 6 शटल रन,800 मीटर दौड़, स्किल टेस्ट का चयन किया गया। चयन के मौके पर खेल विभाग के वर्ल्ड एथलेटिक्स लेवल 2 प्रशिक्षक योगेश यादव, एन आई एस डिप्लोमा कोच अशोक साहनी, खेल शिक्षक बिरेंद्र कुमार,बमबम कुमार, नीतीश दास, पोलूस मरांडी, निमाई चौधरी, प्रिंस, अमन समेत अन्य मौजूद थे।डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, सकरीगली के लिए चयन 30 को डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, सकरीगली के लिए दिनांक 29 अप्रैल 2026 को सिदो कान्हु स्टेडियम,साहेबगंज में प्रातः 6:00 बजे से एन एस टी सी नॉर्म्स के आधार पर चयन किया जाएगा।जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों का आवासन 05 किलो मीटर दूरी एवं उम्र सीमा 08 वर्ष से 12 वर्ष के बीच हो।

ट्रैन में चोरी करने वाले चार शातिर चोरों को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार, फोन व कैश बरामद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : मालदह रेल मंडल अन्तर्गत ट्रेनों में चोरी की घटनाएँ लगातार घटित हो रही थी।इसी क्रम में 12 अप्रैल2026 को हुई चोरी की घटना के मद्देनजर बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में पाकुड़ से भागलपुर के बीच लगातार चलाए जा रहे सघन छापामारी के क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है ।दिनांक 28 अप्रैल 2026 को आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट बड़हरवा से एएसआईजलेश्वर कुमार दुबे,सीटी अनिल कुमार साह, सिटी अमरेश कुमार, सिटी जय कुमार सिंह ,सिटी सतीश कुमार,सीपीडीएस टीम,मालदा के सिटी अमन कुमार मोदी,सिटी अमित कुमार यादव,सिटी जितेन्द्र कुमार राम,आरपीएफ पोस्ट मालदा की महिला कास्टेबल अर्पण कुमारी एवं काजल कुमारी के साथ तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर चेकिंग छापेमारी की जा रही थी समय लगभग 6:30 बजे, प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर कल्याणचक दिशा की ओर दो पुरुष एवं दो महिलाएं संदिग्ध अवस्था में बैठे पाए गए। संदेह होने पर उनसे पूछताछ किया गया पर वे सभी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके तथा टीम को गुमराह करने का प्रयास करने लगे और स्टेशन पर

उपस्थित होने का कोई वैध प्रमाण प्रस्तुत भी नहीं कर पाए।पूछताछ के दौरान बार बार अपने ब्यानो को बदलने के कारण और इधर उधर की बातों के कारण संदेह गहराने पर इंस्पेक्टर बड़हरवा के आदेशानुसार उनकी आरपीएफ महिला स्टाफ कांस्टेबल अर्पण कुमारी एवं कांस्टेबल काजल कुमारी द्वारा जब दोनों महिलाओं1 चम्पा देवी 33 वर्ष पति जोगिंद्र पासी पता 12/2433 हिल रोड मिहिजाम,थाना आम बागान ,जिला जामताड़ा झारखंड व 2 लक्ष्मी देवी 38 वर्ष पति सपन पासी पता 12/2433 हिल रोड मिहिजाम,थाना आम बागान जिला जामताड़ा झारखंड की तलाशी ली गई।दोनों के पास से एक एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं नगद कैश क्रमशः 3700 और 4000 नगद राशि चोरी बरामद हुए।जो चोरी की थी साथ ही साथ जब छापामारी टीम द्वारा दोनो पुरुषों की तलाशी ली गई तो 3 जोगेन्द्र पासी 38 वर्ष पिता स्वर्गीय नगीना पासी पता 12/2433 हिल रोड मिहिजाम थाना आम बागान जिला जामताड़ा झारखंड और 4 सपन पासी 40 वर्ष पिता स्वर्गीय नगीना पासी पता 12/2433 हिल रोड मिहिजाम थाना आम बागान जिला जामताड़ा झारखंड के पास से चोरी के एक एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए।पूछताछ में उपरोक्त सभी ने स्वीकार किया कि उपरोक्त प्राप्त चारों मोबाइल फोन व कैश चोरी के है और चोरी के मोबाइल बेचने हेतु तीनपहाड़ आए थे।आगे पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वे ट्रेनों में यात्रियों के उतरने और चढ़ने के दौरान भीड़ भाड़ का फायदा उठा कर यात्रियों के पॉकेट व महिलाओं के बैग से चैन खोलकर चोरी करते थे। और कुछ समय के लिए उस स्थान से दूसरे जगह चले या फिर अपने घर जामताड़ा चले जाते थे और माहौल ठीक होने पर फिर आते थे। बरामद मोबाइल फोनो में रिच ग्रीन अनुमानित मूल्य 9000 रूपए, रॉयल ब्लू अनुमानित मूल्य7500 रूपए, लाइट ग्रीन अनुमानित मूल्य 9500 रूपए

लाइट ब्लू अनुमानित मूल्य 9000 रुपया कुल अनुमानित मूल्यः 35,000+7,700 कैश 42,700 उपरोक्त चारों चोरी के एंड्रॉयड मोबाइल फोनो और चोरी के 7,700 कैश को विधिवत उपस्थित गवाहों की उपस्थिति में जब्त किया गया और चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके परिजनों को गिरफ़्तारी की सूचित दी गई।आरपीएफ बड़हरवा द्वारा लिखित शिकायत के साथ चारोंगिरफ्तार अभियुक्तों एवं जप्त सामग्री 4 मोबाइल फोन एवं 7,700 रुपए कैश के साथ जीआरपीएस बरहरवा को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया।आरपीएफ बड़हरवा की लिखित शिकायत के आधार पर जीआरपीएस बरहरवा द्वारा दिनांक 29 अप्रैल को कांड संख्या 19/2026, धारा 303(2) 317(2) 03(5)बीएन एस के तहत मामला दर्ज किया गया।गिरफ्तार सभी चोरों को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही थी।

पत्रकार के साथ मारपीट मामले में जेजेए साहिबगंज इकाई ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज : हजारीबाग में बीते दिनों राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के गुर्गों के द्वारा न्यूज 18 के पत्रकार पर हमला करते हुए मारपीट करने के विरोध में बुधवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन साहिबगंज जिला इकाई के सदस्यों ने जिला जनसंपर्क कार्यालय के सामने अपने बांए हाथ के बाजू में काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया एवं सभी दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।इस मौके पर जिला प्रभारी अरविंद ठाकुर ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है जो सच्ची घटनाओं समेत अन्य भ्रष्टाचार को लगातार अपने जान पर खेलकर उजागर करने का काम करता है जहां पत्रकारों के साथ मारपीट करने का मामला पूरी तरह से निंदनीय है इसका झारखंड

जर्नलिस्ट एसोसिएशन साहिबगंज जिला इकाई पूरी तरह से कड़ी निंदा करती है।वही मुंसिफ टीवी के पत्रकार मुमताज नुमानी ने कहा कि देश में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को दिया गया है मगर यहां पत्रकारों के साथ खुलेआम मंत्री,पुलिस प्रशासन के मौजूदगी में मारपीट कर घायल किया जा रहा है और सरकार मूकदर्शक बनकर पूरा तमाशा देख रही है जो काफी निंदनीय घटना है।वही इस कार्यक्रम का नेतृत्व पत्रकार आलोक कुमार ने किय,जहां इस मौके पर उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूरे राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है।इस मौके पर पत्रकार अरविन्द ठाकुर,आलोक कुमार, सुनील कुमार आजाद, उज्ज्वल सिंह, अरविंद कुमार यादव,सहेंद्र प्रसाद, संजीव सागर, चंदन कुमार, मुमताज नुमानी, शंकर राउत, मो नाजिर समेत अन्य दर्जनों पत्रकार मौजूद थे।

विपत्रों का विभागीय दिशा निर्देश में जांच कर निष्पादन किया जाए : डीसी

संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में विपत्रों के निकासी से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ विपत्रों के निकासी की प्रक्रिया की समीक्षा और उन्होंने कार्यो में पारदर्शिता समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विपत्रों का विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में नियमानुसार जांच कर निष्पादन किया जाए । उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि किसी भी विपत्र को कोषागार भेजने के पूर्व त्रुटिहीन जांच कर संतुष्ट हो लें ताकि किसी प्रकार की गलत निकासी ना हो सके। साथ ही नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित

करने का निर्देश भी दिया।उन्होंने विपत्रों की भुगतान से संबंधित वर्तमान प्रणाली में छेड़छाड़ की रोकथाम, संवेदनशील पदों पर कार्यरत कर्मियों का स्थानांतरण एआई आधारित सैंपलिंग एवं निगरानी, बजट की समीक्षा, पूर्व स्थापित प्रक्रियाओं का कड़ाई से अनुपालन वित्तीय नियम एवं प्रक्रियाओं का अनुपालन से संबंधित विस्तृत चर्चा की।बैठक में सभी विभागों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए जनहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा जिला कोषागार पदाधिकारी आशुतोष कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष मुख्यालय डीएसपी संजय कुस्वाहा, होमगार्ड डीएसपी सुरज कुमार व अन्य उपस्थित थे।

चोरों ने रात्रि के वक्त ट्राई साइकिल चोरी कर ली

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही निवासी दिव्यांग मो. लुकमान 65 कटरा साइकिल चोरों ने रात्रि के वक्त चोरी कर लिया।दिव्यांग मो. लुकमान ने इसकी शिकायत जिरवाबाड़ी पुलिस से किया। पीड़ित ने बताया कि बीते दिनों पहले रात्रि के वक्त अपना ट्राई साइकिल घर के पास लगाकर सोने के लिए चले गए ।सुबह उठकर देखा तो ट्राई साइकिल उक्त स्थान पर नहीं थी काफी खोजबीन की कुछ पता नहीं चला ।बताया की चोरों ने रात्रि के वक्त ट्राई साइकिल चोरी कर ली। इधर थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

रेलवे के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हुआ

संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल रेल खंड में बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के चल रहे प्रयासों के तहत पूर्वी रेलवे के मालदा डिवीजन के साहिबगंज कहलगांव-भागलपुर-जमालपुर खंड पर ट्रेन संख्या 15734 फरक्का एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनों में 29 अप्रैल 2026 को एक विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान मालदा के मंडल रेलवे प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और मालदा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। गहन जांच अभियान के दौरान, अनियमित यात्रा के कुल 462 मामले पकड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप जुमार्ने के रूप में 2,93,715 वसूल किए गए। यह अभियान वाणिज्यिक निरीक्षक के नेतृत्व में चलाया गया था।जिसमें टिकट जांच कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी थी।जिससे रेलवे के नियमों और विनियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हुआ। रेलवे के राजस्व की रक्षा करने और वास्तविक यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए इस विभाग भर में ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

अधिक अवधि से लंबित आवेदनों को नियमानुसार दो सप्ताह के अंदर निष्पादित हर हाल में कर लें : उपायुक्त

राजस्व और भू-अर्जन योजनाओं की मासिक समीक्षा राजस्व संग्रहण में पारदर्शिता व गति लाने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत राजस्व विभाग के कार्यों की मासिक समीक्षात्मक बैठक उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध राजस्व प्राप्ति एवं कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जबकि शुरूआत में वाणिज्य कर विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य 9051.00 लाख के विरुद्ध 8136.76 लाख रुपये 89.90 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति की जानकारी दी गई। उत्पाद विभाग ने 8481.36 लाख रुपये की राजस्व प्राप्त कर 95.30 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया। परिवहन विभाग ने 100.04 प्रतिशत राजस्व प्राप्त किया। नगर निकायों में साहिबगंज नगर परिषद ने अपने वार्षिक लक्ष्य 847.86 लाख के विरुद्ध 53.66

प्रतिशत राजमहल नगर पंचायत ने 133.85 प्रतिशत बरहरवा नगर पंचायत 94.49 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त की। मापतौल विभाग द्वारा 88.91 प्रतिशत मत्स्य विभाग द्वारा 101.55 प्रतिशत विद्युत बोर्ड द्वारा 113.86 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया। उन्होंने दाखिल खारिज जाति आय निवास एवं अन्य प्रमाण पत्र अविलंब निष्पादन करने हेतु झारखंड राज्य सेवा लेने की गारंटी अधिनियम 2011 के अंतर्गत निर्देशित किया। उन्होंने बरहेट अंचल में अत्याधिक जाति प्रमाण पत्र लंबित रहने पर नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने उपस्थित अंचलाधिकारी एवं राजस्व कर्मियों को जल्द से जल्द सभी जाति प्रमाण पत्रों का निस्तारण करने को निर्देशित किया ।उन्होंने बरहरवा, उधवा, राजमहल अंचल अंतर्गत दाखिल खारिज का आवेदन अत्यधिक लंबित रहने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि 30 दिन से अधिक अवधि से लंबित आवेदनों को नियमानुसार दो सप्ताह के अंदर निष्पादित हर हाल में कर लें।उपायुक्त ने भूमि संबंधी अधियाचना के अनुसार सभी अंचलाधिकारी को प्रस्ताव अभिलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही ग्राम प्रधान के रिक्तियों को अगले दो माह में पूर्णतः भरने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारियों को दिया।जिसमें मार्च माह 2026 में भू-लगान एवं भू-सेस, दाखिल-खारिज परिशोधन व भूमि अधियाचना से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व संग्रहण से जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुँच सके।उन्होंने भू अर्जन से संबंधित मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 80 पैकेज 02 के मुआवजा भुगतान हेतु पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही पथ प्रमंडल साहिबगंज के अंतर्गत मुआवजा भुगतान त्वरित करने का संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देश दिया।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला भू अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचला धिकारी समेत कार्यकारी एजेंसी उपस्थित थे।

आईपीएल 2026: अभिषेक शर्मा और क्लासेन ने ऑरेंज कैप रेस में मारी बाजी, मलिंगा पर्पल कैप में सबसे आगे

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की मुंबई इंडियंस पर छह विकेट की जीत के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रन तालिका को पूरी तरह बदल दिया।

ऑरेंज कैप: अभिषेक और क्लासेन का दबदबा

मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 400 रन के साथ ऑरेंज कैप धारक थे, लेकिन इस मुकाबले के बाद वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेली, जबकि हेनरिक क्लासेन ने 30 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ अभिषेक शर्मा 425 रन के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि क्लासेन 414 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वैभव सूर्यवंशी अब 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ये दोनों खिलाड़ी इस सीजन 350 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

पर्पल कैप: ईशान मलिंगा सबसे आगे

गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ने एक बार फिर प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 29 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। उन्होंने मुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बनाया।

इस प्रदर्शन के साथ मलिंगा अब 15 विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। उनके पीछे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार, राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14-14 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

किसी को नीचे गिराकर हम खुद ऊपर नहीं उठ सकते : जीनत अमान

बीते जमाने की अभिनेत्री जीनत अमान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने विचार शेयर करती रहती हैं। सोमवार को भी उन्होंने ऐसा ही खास पोस्ट किया, जिसे उन्होंने अपनी मां को समर्पित किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए उन्होंने बताया कि उनकी मां अपने समय से बहुत आगे थी। उन्होंने समाज की कठोर आलोचनाओं का सामना करते हुए अपनी शर्तों पर जिंदगी जी थी। जीनत ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की। उन्होंने इसके साथ लिखा, 'मेरी मां एक धार्मिक हिंदू महिला थीं, लेकिन उनके जीवन के फैसले उस दौर के हिसाब से काफी अलग थे। मेरी मां ने एक मुस्लिम व्यक्ति (मेरे पिता) से शादी की थी। उस रिश्ते के अंत के बाद, उन्होंने एक जर्मन प्रोटेस्टेंट से शादी की और जब उनका भी निधन हो गया, तो उन्होंने मुझे अकेले ही पाला और मेरे करियर की शुरुआत में मेरा साथ दिया। उन्होंने बताया कि इन अंतर-धार्मिक फैसलों की वजह से उनकी मां को समाज में काफी विवादों और चर्चाओं का सामना करना पड़ा था। अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरी मां का मानना था कि लोगों की राय उनकी अपनी होती है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अगर आपके पास किसी के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है, तो आपका चुप रहना ही बेहतर है। मैं हमेशा सोच-समझकर ही बोलती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि किसी दूसरे को नीचे गिराकर हम कभी ऊपर नहीं उठ सकते। जीनत ने आगे लिखा, 'आजकल मैं अपने दिल में बहुत कम नफरत रखती हूं और बिना वजह मिलने वाली आलोचना को भी हल्के में ही लेती हूं। कल मैं एक दोस्त के साथ अपनी मां की इन सीखों के बारे में बात कर रही थी, तो उसने मुझे एक शानदार कोट भेजा था।

जॉर्जिया और आर्मेनिया मिलकर करेंगे 2029 फीफा अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी

येरेवन/त्बिलिसी: विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने 2029 के अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए जॉर्जिया और आर्मेनिया को संयुक्त रूप से चुना है। यह पहली बार होगा जब दक्षिण कॉकस क्षेत्र के ये दोनों देश किसी फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। यह फैसला बुधवार को कनाडा के वैंकूवर में हुई फीफा काउंसिल की बैठक में लिया गया, जो 76वीं फीफा कांग्रेस से ठीक पहले आयोजित की गई थी। हर दो साल में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट दुनिया की 24 युवा टीमों को एक मंच पर लाता है और इसे भविष्य के सितारों का मंच माना जाता है। फुटबॉल फेडरेशन ऑफ आर्मेनिया ने इसे ह्वऐतिहासिक उपलब्धिह्व बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल समुदाय के भरोसे का प्रतीक है। फेडरेशन के अध्यक्ष आर्मेन मेलिकबेकयान ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों और प्रशंसकों को विश्व कप जैसा अनुभव देगा। वहीं, जॉर्जियन फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष लेवन कोबियाशविली ने विश्वास जताया कि यह आयोजन क्षेत्र में फुटबॉल के विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने इसे जॉर्जिया के स्वतंत्र फुटबॉल इतिहास का अद्वितीय क्षण बताया। इस प्रतियोगिता की शुरूआत 1977 में ट्यूनीशिया में हुई थी, तब इसे फीफा वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था। 2007 में इसका नाम बदलकर वर्तमान स्वरूप दिया गया।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच पहला मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

एजेंसी

मैड्रिड : यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच जहां एक ओर रणनीतिक रूप से कड़ा रहा, वहीं गोल के मौके सीमित देखने को मिले।

पहले हाफ में आर्सेनल ने बढ़त बनाई। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को पेनल्टी मिली, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, दूसरे हाफ में एटलेटिको मैड्रिड ने वापसी की। 56वें मिनट में वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की मदद से बेन व्हाइट के हैंडबॉल का फैसला हुआ, जिसके बाद जूलियन अल्वारेज ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी बढ़त नहीं ले सका। एटलेटिको के एंटोनी ग्रिजमैन का शॉट क्रॉसबार से टकराया, जबकि आर्सेनल को मिला एक और पेनल्टी मौका वीएआर समीक्षा के बाद रद्द कर दिया गया।

मैच के बाद एटलेटिको मैड्रिड के कप्तान कोके ने कहा,ह्वहमने पूरा प्रयास किया। शुरूआती गोल पेनल्टी से मिला, जो मुझे थोड़ा संदिग्ध लगा। हमारे पास मैच जीतने के मौके थे, लेकिन अब फैसला दूसरे चरण में होगा। उनकी रक्षा मजबूत है और आगे उनके खिलाड़ी काफी तेज हैं। हम अपने मौकों को भुना नहीं सके। हमें उम्मीद है कि लंदन में होने वाला अगला मैच इस सत्र में हमारा आखिरी मुकाबला नहीं होगा। आर्सेनल के गोलस्कोरर विक्टर ग्योकेरेस ने कहा,ह्वपहले हाफ में हमने मैच पर अच्छा नियंत्रण रखा। दूसरे हाफ में उन्होंने बेहतर खेल दिखाया और शायद गोल के हकदार भी थे। कुल मिलाकर यह एक कठिन मुकाबला रहा। घरेलू मैदान और दर्शकों के समर्थन के साथ अगला मैच अलग होगा। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।ह्व

अब दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 5 मई को लंदन में खेला जाएगा।

पुलकित सम्राट ने कृति खरबंदा के त्याग पर कहा -

हम हनीमून पर नहीं जा पाए

बहुत कम लोगों को ये बात पता है कि पुलकित सम्राट के लिए 'ग्लोरी' के किरदार को जीवंत करना सिर्फ शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण नहीं था, बल्कि इसके लिए उन्हें एक बड़ी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी थी। जी हाँ, 'ग्लोरी' में अपने किरदार की तैयारी में लगे पुलकित लगभग दो साल तक अपनी कड़ी ट्रेनिंग और व्यस्त शेड्यूल में इस कदर डूबे थे कि उन्हें अपने और अपने परिवार के लिए बहुत कम समय मिल पाता था। इस दौर को याद करते हुए उन्होंने विशेष रूप से न सिर्फ अपनी पत्नी कृति खरबंदा के अटूट समर्थन के बारे में बात की, बल्कि अपनी शादीशुदा ज़िंदगी पर खुलकर बात की। पुलकित ने कहा, 'ग्लोरी' के लिए सबसे बड़ा त्याग जो रहा वो था शादी के बाद हमारा हनीमून, जहां हम चाहकर भी नहीं जा पाए। जब हमारी शादी हुई थी, तब कृति, 'राणा

नायडू' की तैयारी में व्यस्त थीं और हमारी शादी के तीन दिन बाद ही सेट पर लौट गई थीं। जैसे ही 'राणा नायडू' की शूटिंग खत्म हुई, फिर मैं करण (अंशुमान) के साथ 'ग्लोरी' के सेट पर चला गया। अब जबकि 1 मई को रिलीज़ होने जा रही 'ग्लोरी' की रिलीज़ डेट नज़दीक है, तब पुलकित का शेड्यूल और व्यस्त हो गया है। ऐसे में उन्होंने अपने आसपास के लोगों को पहले ही बता दिया है कि रिलीज़ के दौरान वे किसी के लिए बिल्कुल उपलब्ध नहीं रहेंगे। पुलकित कहते हैं, ''ग्लोरी' 1 मई को रिलीज़ हो रही है, और मैंने पहले ही अपने सभी लोगों से कह दिया है कि मैं 15 दिनों तक बिल्कुल उपलब्ध नहीं रहूंगा।' गौरतलब है कि पुलकित ने यह भी स्वीकार किया है कि ऐसे व्यस्त शेड्यूल का असर सिर्फ उनके रिश्ते पर ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर पड़ता है।

6 साल अटकी रही शाहरुख खान की यह ब्लॉकबस्टर फिल्म, नहीं ली थी एक रुपया भी फीस

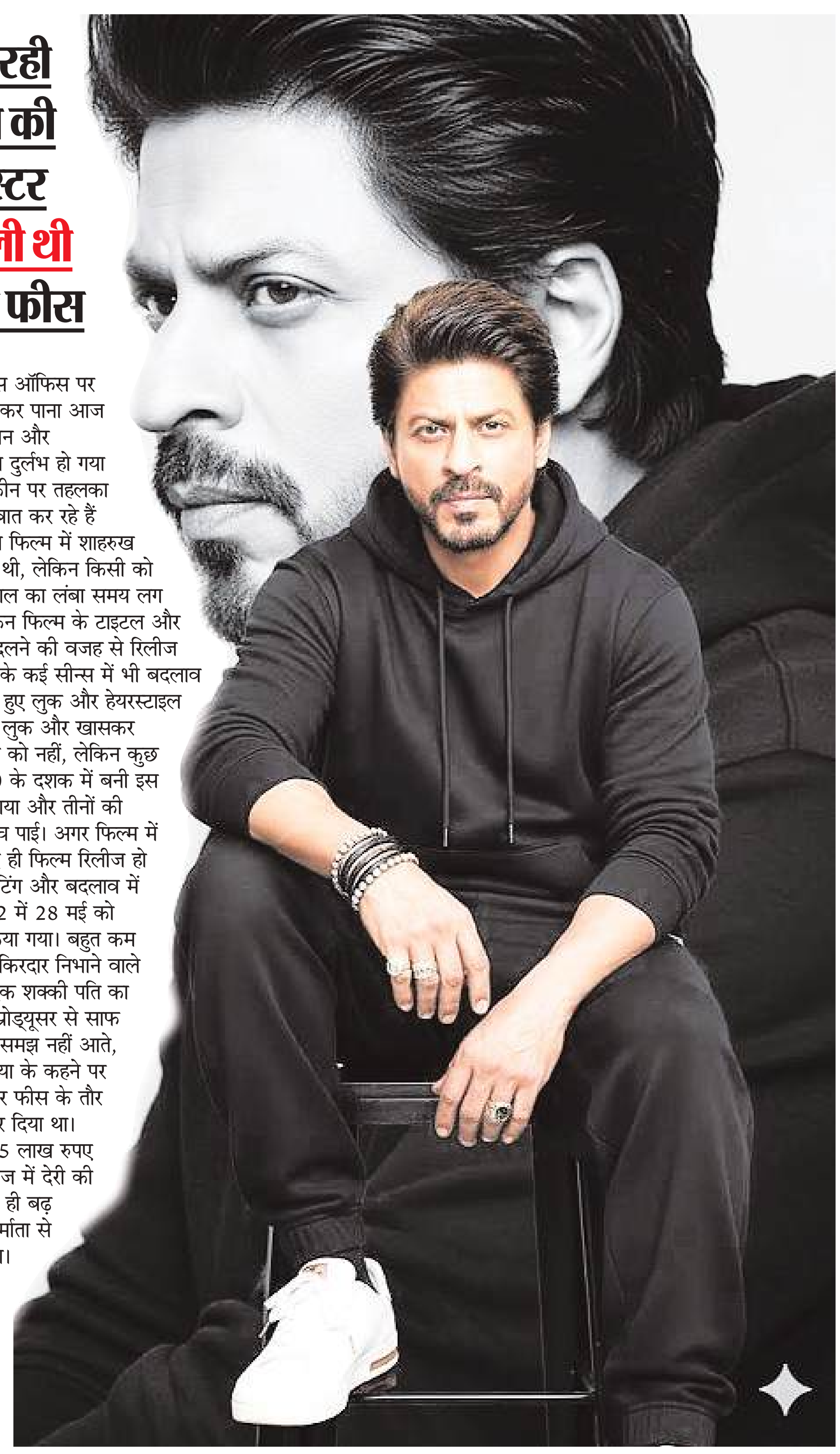

हिंदी सिनेमा में रोजाना नई फिल्में रिलीज होती है और बॉक्स ऑफिस पर नए आयाम गढ़ती है, लेकिन 90 के दशक की फिल्मों को बीट कर पाना आज के समय की फिल्मों के बस की बात नहीं है। आज शाहरुख खान और सलमान खान को एक साथ लंबे समय तक स्क्रीन पर देख पाना दुर्लभ हो गया है, लेकिन एक फिल्म ऐसी थी, जिसने करण-अर्जुन के बाद स्क्रीन पर तहलका मचा दिया था, लेकिन फिल्म के रिलीज में काफी देरी हुई। हम बात कर रहे हैं साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'हम तुम्हारे हैं सनम की'। इस फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित लीड रोल में थी, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि फिल्म को बनाने और रिलीज करने में 6 साल का लंबा समय लग जाएगा। साल 1997 में फिल्म को बनाने की शुरुआत हुई, लेकिन फिल्म के टाइटल और अलग-अलग गानों के लिए म्यूजिक कंपोजर और सिंगर्स को बदलने की वजह से रिलीज में अच्छी-खासी देरी हुई। इतना ही नहीं, रिलीज से पहले फिल्म के कई सीन्स में भी बदलाव किए गए, क्योंकि फिल्म में 1997 के फैशन को ध्यान में रखते हुए लुक और हेयरस्टाइल डिजाइन किए गए थे, लेकिन रिलीज से पहले कुछ लुक और खासकर माधुरी के लुक में बदलाव किए गए। सारे लुक्स को नहीं, लेकिन कुछ लुक्स को काफी हद तक बदल दिया गया। 90 के दशक में बनी इस फिल्म में तीन बड़े मेगास्टार को साइन किया गया और तीनों की दोस्ती की वजह से ही फिल्म रिलीज तक पहुंच पाई। अगर फिल्म में कोई और हीरो या हिरोइन होती तो शायद ही फिल्म रिलीज हो पाती। तीनों स्टार्स ने फिल्मों की शूटिंग और बदलाव में पूरा साथ दिया, और साल 2002 में 28 मई को फिल्म को पर्दे पर रिलीज किया गया। बहुत कम लोग जानते हैं कि रोमांटिक किरदार निभाने वाले शाहरुख खान ने फिल्म में एक शक्की पति का किरदार निभाया और उन्होंने प्रोड्यूसर से साफ कहा था कि ऐसे किरदार मुझे समझ नहीं आते, लेकिन निर्माता के.सी. बोकाड़िया के कहने पर फिल्म के लिए 'हां' की थी और फीस के तौर पर 1 रुपया भी लेने से मना कर दिया था। शाहरुख को फीस के तौर पर 95 लाख रुपए देने थे, लेकिन शूटिंग और रिलीज में देरी की वजह से फिल्म का बजट पहले ही बढ़ चुका था, ऐसे में शाहरुख ने निर्माता से पैसा न देने के लिए कहा था। खुद निर्माता के.सी. बोकाड़िया ने खुलासा किया था कि शाहरुख जैसा अच्छा अभिनेता नहीं हो सकता है। हमने पैसे देने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

'भूत-बंगला' ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत, बनी करियर की पहली 100-करोड़ी फिल्म

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म 'भूत-बंगला' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं.

'मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थी'

- **अक्षय कुमार के मजाक से जब डर के मारे कांप उठीं भूमि पेडनेकर**

बॉलीवुड सितारों की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखाई देती है, उसके पीछे उतने ही मजेदार और यादगार किस्से भी छिपे होते हैं। फिल्मों की शूटिंग के दौरान कलाकार कई बार ऐसे अनुभवों से गुजरते हैं, जिन्हें वह सालों बाद भी याद करके हंस पड़ते हैं। इस बीच, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने उनके साथ ऐसा मजाक किया था, जिससे वह बुरी तरह डर गई थीं। यह खुलासा भूमि पेडनेकर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में किया। शो में बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव साझा किया। भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे तेज रफ्तार से बहुत डर लगता है, खासकर बाइक पर बैठकर तेज चलना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। ये बात अक्षय को कहीं से पता चल गई। शूटिंग के दौरान एक दिन अक्षय ने मुझसे पूछा कि क्या तुम्हें बाइक से डर लगता है। इस पर मैंने बताया है - 'हां...बाइक की तेज स्पीड से बहुत ज्यादा डरती हूं। भूमि ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी थी कि फिल्म में कोई खतरनाक बाइक स्टंट नहीं रखा गया था। लेकिन शायद अक्षय उस समय उनके साथ प्रैंक करने के मूड में थे।

ऐसे हुई थी 'बाहुबली 2' की शूटिंग

100 एकड़ में बना महिष्मती राज्य

साल 2017 में आज के दिन ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी, जिसने हिंदी सिनेमा से लेकर दक्षिण भारतीय सिनेमा को हिलाकर रख दिया था। फिल्म का नाम था 'बाहुबली 2: द कॉन्क्लूजन'। आज फिल्म के रिलीज को नौ साल पूरे हो चुके हैं और बहुत कम लोग जानते हैं कि बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न पहली फिल्म थी जिसका पेड प्रीव्यू रखा गया था। आज के समय में फिल्मों का पेड प्रीव्यू रखना हर हिंदी फिल्म की परंपरा बन चुकी है। आज फिल्म के रिलीज के नौ साल पूरे होने पर हम आपको फिल्म से जुड़े कुछ अनोखे फैक्ट्स बताएंगे। बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न ने रिलीज के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म का खिताब हासिल किया, लेकिन फिल्म 'दंगल' का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि फिल्म बाहुबली की शूटिंग के दौरान ही दूसरे पार्ट की 30 फीसदी शूटिंग पहले कर ली गई थी और बाद में बाकी की बची फिल्म की शूटिंग पूरी सुरक्षा के साथ की गई। बाहुबली और बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न में दिखाए गए फिल्म सेट की चर्चा आज भी होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सेट को सिर्फ ग्राफिक्स की मदद से नहीं, बल्कि मुंबई से दूर हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में बनाया गया था?

100 एकड़ में महिष्मति राज्य का निर्माण

फिल्म के लिए 100 एकड़ में महिष्मति राज्य का निर्माण किया गया था। सेट के निर्माण में 60 करोड़ का खर्च आया था और बनाने के लिए 500 से अधिक लोगों की टीम ने मिलकर कई महीनों तक काम किया था। सेट का निर्माण कला निर्देशक साबू सिरिल ने अपनी टीम के साथ किया था, जो कालापानी, अशोक, ओम शांति ओम और रोबोट जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। फिल्म के कुछ सीन्स की शूटिंग केरल के कन्नवम वन, अथिरप्पिल्ली जलप्रपात, और ओरवाकल रॉक गार्डन में भी हुई थी। आपको बाहुबली और बाहुबली 2: द कॉन्क्लूज़न में झरने वाले सीन की शूटिंग केरल के अथिरप्पिल्ली जलप्रपात के नीचे हुई थी, लेकिन एस.एस. राजामौली ने फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग के लिए छत्तीसगढ़ के हांदावाड़ा वॉटरफॉल को चुना था.

मध्य प्रदेश के धार में मजदूरों से भरा पिकअप वाहन पलटा, 16 लोगों की मौत

- प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया हादसे पर दुख, मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता का ऐलान

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के धार जिले में इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिकलिया फाटा के पास बुधवार रात मजदूरों से भरा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में 6 बच्चों समेत 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार, धार जिले के तिरला थाना क्षेत्र में चिकलिया फाटा पर जिओ पेट्रोल पंप के पास बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गया और तीन-चार बार पलटी खाते हुए सड़क के दूसरी तरफ जाकर स्कॉर्पियो से टकरा गया। पिकअप वाहन करीब 100 किलोमीटर की रफ्तार में था। प्रत्यक्षदर्शी शुभम सिसोदिया ने बताया कि हादसे के समय मैं घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर मौजूद था। स्कॉर्पियो मांगुद से धार की ओर जा रही थी, जबकि पिकअप वाहन धार से मांगुद की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अचानक पिकअप का टायर फट गया। अनियंत्रित होकर पिकअप डिवाइडर को पार करते हुए रॉन्ग साइड में आ गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो से टकरा गया और फिर पलट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर तत्काल राहत कार्य शुरू किया और दबे हुए लोगों को बाहर निकाला। सड़क पर कई घायल मजदूर पड़े हुए थे, जिससे स्थिति बेहद गंभीर और संवेदनशील बन गई। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को धार के जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

धार जिला चिकित्सालय में एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के आने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यहां पहुंचे कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम लगातार उपचार में जुटी हुई है। जिला अस्पताल में मौजूद इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर छत्रपाल सिंह चौहान ने बताया कि मौके पर पहुंचे सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है। पिकअप के दुर्घटना के बाद यहां घायल पहुंचे हुए हैं। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी ने बताया कि तेज रफ्तार पिकअप वाहन से एक हादसा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची और सभी

घायलों को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ मरीजों को बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है, जबकि अन्य का उपचार यहीं जारी है। मौके पर प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद है और सभी घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मिले, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही 108 एंबुलेंस सेवाओं को भी सक्रिय किया गया है। इंदौर जिला प्रशासन, वहां के सीएमएचओ और स्वास्थ्य टीम से समन्वय स्थापित कर लिया गया है। जरूरत पड़ने पर मरीजों को इंदौर के सरकारी और निजी अस्पतालों में रेफर किया जाएगा। इंदौर कमिश्नर सुदाम खाड़े ने बताया कि पिकअप वाहन में करीब 46 लोग सवार थे। घायलों के इलाज को लेकर प्रशासन ने व्यवस्था की है। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। वहीं करीब 15 घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है, जबकि छह अन्य का उपचार निजी अस्पतालों में जारी है। धार के पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि पिकअप वाहन तेज रफ्तार में था। चालक के नियंत्रण छूटने से वाहन तीन-चार बार पलटा। इसी दौरान सड़क के दूसरी तरफ जाकर स्कॉर्पियो से टकरा गया। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई। एसपी अवस्थी के अनुसार, मृतकों में तनु (9 वर्ष) पुत्री उमेश निवासी नयापुरा धार, अंगूरी बाई (35) पत्नी भूरिया निवासी सेमलीपुरा धार, मैना बाई (45) पत्नी कृष्णा निवासी पटेलपुरा धार, सुमित (14) पुत्र नानूनाम निवासी नयापुरा धार, किरण (9) पुत्री दिनेश निवासी सेमलीपुरा धार, भूरी बाई (35) पत्नी सुंदर निवासी सेमलीपुरा धार, रंजना (25) पुत्री मनीष निवासी सेमलीपुरा धार, आयुष (14) पुत्र राजेन्द्र निवासी नयापुरा धार, गोकुल (15) पुत्र कैलाश निवासी नयापुरा धार, सुनीता (42) पत्नी नारायण निवासी नयापुरा धार, कांता (45) पत्नी उदयसिंह निवासी सेमलीपुरा, रिंकू (19) पुत्र कंवर लाल निवासी नयापुरा धार, रंजना (22) पुत्री रामसिंह निवासी नयापुरा धार, सावित्री बाई (30) पत्नी सुभाष निवासी धार, संगीता (35) पत्नी पप्पू निवासी नयापुरा धार और प्रिया पुत्री विष्णु निवासी रामपुरा धार शामिल हैं।

पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख की सहायता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धार हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश के धार जिले में हुई दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की सहायता का ऐलान किया

वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार हादसे के प्रभावितों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि धार जिले में इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित चिकलिया फाटा के पास हुआ सड़क हादसा हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिजनों के साथ हैं। मृतकों के परिवारजनों को 4-4 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इंदौर संभागायुक्त और आईजी को उपचार व्यवस्था के लिए धार जाने के निर्देश दिए हैं। सभी घायलों का उपचार निःशुल्क किया जाएगा। ईश्वर दिवंगतों को शांति व शोकाकुल परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना है।

राहुल गांधी का कांगड़ा पहुंचने पर सीएम सुक्खू सहित कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

एजेंसी

धर्मशाला : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वीरवार सुबह हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा पहुंच गए हैं। राहुल सुबह करीब 8 बजे कांगड़ा एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से सीधे कांगड़ा के गुप्त गंगा पहुंचे, जहां पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों का ट्रेनिंग कैंप चल रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत किया और फिर राहुल गांधी के साथ ही गाड़ी में ट्रेनिंग शिविर स्थल गुप्त गंगा पंहुचे। यहां पर पिछले 10 दिनों से कांग्रेस के तीन राज्यों के 80 जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग चल रही है जिसका आज आखिरी दिन है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि राहुल गांधी इस शिविर में संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने और विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स देंगे। शिविर का आयोजन कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। उधर राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कांगड़ा सब्जी मंडी में आज अवकाश घोषित किया गया है। इससे पहले बुधवार को एसपीजी कमांडो द्वारा कांगड़ा एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक दो बार सुरक्षा जांच और पेट्रोलिंग की गई।

पूरे देश में प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित कर रहे राहुल : सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि राहुल गांधी पूरे देश में संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस नेताओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसी कड़ी में वे कांगड़ा आ रहे हैं। हिमाचल कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रशिक्षण शिविर के संयोजक एवं एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने बताया कि राहुल गांधी का यह दौरा केवल प्रशिक्षण शिविर तक सीमित रहेगा। इसमें आम जनसंपर्क कार्यक्रम शामिल नहीं है। राहुल गांधी के दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री सुक्खू पिछले तीन दिन से कांगड़ा में डटे हैं और तैयारियों में जुटे रहे। उनके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, कैबिनेट मंत्री व अन्य वरिष्ठ नेता भी कांगड़ा पहुंच चुके हैं।

मैरवा-सलेमपुर मार्ग पर गुटखा लदा ट्रक पलटा, टायर ब्लास्ट के बाद लगी आग

सीवान : जिले के उत्तरप्रदेश सीमा से सटे मैरवा-सलेमपुर मुख्य मार्ग पर धरनी छापर गांव के समीप गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। गुटखा लदा एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया, जिसके बाद उसका टायर तेज धमाके के साथ फट गया और देखते ही देखते ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। इस हादसे में ट्रक पर लदा लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार ट्रक चालक नशे की हालत में था और वाहन पर उसका नियंत्रण नहीं था। लोगों का यह भी कहना है कि ट्रक उत्तरप्रदेश क्षेत्र में किसी अन्य दुर्घटना के बाद भाग रहा था और मैरवा क्षेत्र में प्रवेश करते ही अनियंत्रित होकर पलट गया।

घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन मौके पर सहायता पहुंचने में काफी देर हुई। इससे नाराज लोगों ने प्रशासन के प्रति आक्रोश जताया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर दमकल पहुंचती, तो लाखों का सामान बचाया जा सकता था। टायर ब्लास्ट के बाद लगी आग इतनी भयावह थी कि काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देता रहा, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घंटों तक मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

यूपी विधान सत्र शुरू होने से पहले महिला आरक्षण पर सत्ता पक्ष और विपक्ष का प्रदर्शन

एजेंसी

लखनऊ : यूपी विधानसभा में गुरुवार को सत्र शुरू होने से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक प्रदर्शन करते नजर आये। भाजपा की महिला विधयकों के नेतृत्व में विधायक, मंत्री विधानसभा पहुंचे। उनके हाथों में नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। देख रहा है सारा देश इंडी गबन्धन का पेच... जैसे स्लोगन लिखे हुए तख्तियां थीं। नारी सशक्तिकरण के विषय पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र आहूत किया गया है। सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने से पहले योगी सरकार के मंत्री, विधायक व अन्य नेता महिला आरक्षण के पक्ष में लिखीं तख्तियां हाथ में लेकर पहुंचे। सपा और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि विपक्ष महिला विरोधी है। समाजवादी पार्टी में परिवार के बाहर की महिलाओं को कोई पद नहीं जाता है। समाजवादी पार्टी में डिम्पल यादव को ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाती है। कांग्रेस में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी को ही आगे किया जाता है। यह पूरा देश देख रहा है। संसद में कांग्रेस ने महिला नारी वंदन विधेयक को गिराकर जश्न मनाया है। विपक्ष ने खुशी जाहिर की है। भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए कार्य कर रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी और यूपी में योगी सरकार आने के बाद महिलाओं का सम्मान बढ़ा है। सरकारी नौकरियों में उन्हें वरीयता दी जा रही है। आज महिलाएं उद्यमी बन रही हैं। आज विधानसभा में नारी

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच मौसम का बदला मिजाज, आधे प्रदेश में बारिश के आसार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। बीते बुधवार को राजधानी भोपाल में तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। हालांकि, मौसम में अब बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 से 4 दिनों में लू से राहत मिलने की संभावना है। गुरुवार के लिए लू का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया गया है। जिन जिलों में मौसम बदलने की संभावना है, उनमें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, राजगढ़, नीमच, मंदसौर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मंडला, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा समेत कई इलाके शामिल हैं। मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय है और एक ट्रफ लाइन गुजर रही है, जिसके कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर सहित कई जिलों में अभी भी तेज गर्मी का असर बना रहेगा। बुधवार को सीधी प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा रायसेन में 43.6 डिग्री, नरसिंहपुर और खंडवा में 43 डिग्री, सतना में 42.9 डिग्री और रीवा में 42.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

जम्मू से श्रीनगर तक चली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

एजेंसी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू और ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर आज सीधी रेल सेवा से जुड़ गईं। इसी के साथ श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की क्षमता ढाई गुनी की गई है, जिससे पर्यटकों, तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय आबादी को आसानी से टिकट सुलभ होगा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकीमंत्री अश्विनी वैष्णव, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जम्मू रेलवे स्टेशन पर आयोजित

कार्यक्रम में श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैष्णव और सिंह ने बाद में इसी ट्रेन से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा तक यात्रा की और वहां से सड़क मार्ग से अंजी खड्ड रेलवे पुल और चिनाब पुल के निरीक्षण के लिए गए। गत वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर के बीच शुरू की गई 26401/26402 और 26403/26404 वंदे भारत एक्सप्रेस गाड़ियों को जम्मू से शुरू किया गया है। लगभग 266 किलोमीटर के कॉरिडोर पर इन ट्रेनों की नियमित सेवा 2 मई 2026 से शुरू होगी। उस समय दोनों ट्रेनों में आठ आठ कोच के रैक इस्तेमाल किये जा रहे थे। अब ये 20-20 कोच के रैक लाए गए हैं। यानी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की क्षमता में ढाई गुना वृद्धि की गई है। पहली रेल (रेल संख्या 26401) जम्मू तवी से सुबह 6:20 बजे प्रस्थान करेगीऔर श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा, रियासी और बानिहाल स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 11:10 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। इस यात्रा में चार घंटे पचास मिनट लगेंगे। वापसी की रेल (संख्या 26402) श्रीनगर से दोपहर 2:00 बजे प्रस्थान करके और शाम 6:50 बजे जम्मू तवी पहुंचेगी। यह जोड़ी सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। मंगलवार को सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। दूसरी सेवा (संख्या 26404) श्रीनगर से सुबह 8:00 बजे प्रस्थान करेगी।

सराफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी के घटे भाव

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोन और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। सोना आज 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी लगातार दो दिन के ठहराव के बाद आज शुरूआती कारोबार के दौरान 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। घरेलू सराफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,50,430 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर

रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,37,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.34 प्रतिशत गिर कर 4,558.99 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 72.99 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,50,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,52,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,50,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,50,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,37,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

शादी के 12 दिन बाद ही दुल्हन की मौत से श्रीभूमि में सनसनी

श्रीभूमि (असम) : श्रीभूमि जिले के बदरपुर थाना क्षेत्र के मालुवा गांव में शादी के महज 12 दिन बाद ही ससुराल में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। हाथों की मेहंदी भी फीकी नहीं पड़ी थी और शादी के सपने पूरे होने से पहले ही दुल्हन की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मालुवा गांव निवासी इलास अली के पुत्र मनिरुज्जामान के साथ पड़ोसी बनियारगुल गांव के हुसैन अहमद की पुत्री जुबेदा बेगम का विवाह 12 दिन पूर्व हुआ था। बुधवार शाम करीब 7 बजे अचानक जुबेदा की तबीयत बिगड़ जाने की बात कही गई। परिजनों ने तुरंत उसे श्रीगौरी अस्पताल पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आज बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद वहां तनावपूर्ण स्थिति बन गई। परिजनों ने इस मौत को संदिग्ध बताते हुए बदरपुर थाने में सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीभूमि जिला अस्पताल भेज दिया। इधर, मृतका के पति मनिरुज्जामान ने बताया कि जुबेदा सुबह से ही बुखार से पीड़ित थी और शाम को दोनों ने साथ में चाय पी थी। इसके बाद वह स्थानीय दवा दुकान से बुखार और गैस की दवा लाकर पत्नी को दी थी। दवा लेने के कुछ समय बाद ही उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। वहीं, मृतका के भाई साजन अहमद का कहना है कि घटना से कुछ घंटे पहले तक जुबेदा पूरी तरह स्वस्थ थी और उससे बातचीत भी हुई थी। अचानक बेहोश होकर अस्पताल ले जाने की सूचना मिली, जहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका के परिजनों ने इस घटना को सामान्य मौत मानने से इनकार करते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

330 बोतल नेपाली और 85 बोतल विदेशी शराब बरामद,दो बाइक जब्त

अररिया : एसएसबी 56 वीं वाहिनी की एफ समवाय फुलकाहा बाह्य सीमा चौकी की विशेष गश्ती टीम ने भारत नेपाल सीमा क्षेत्र से नेपाल से तस्करी कर लाए जा रहे 330 बोतल नेपाली शराब और 85 बोतल अलग अलग ब्रांडों के विदेशी शराब को जब्त किया। एसएसबी ने मौके पर से दो मोटरसाइकिल भी जब्त किया गया।जबकि तस्कर एसएसबी जवानों को देख बाइक छोड़कर रात का फायदा उठाते हुए अंधेरे में नेपाल सीमा में प्रवेश कर गए।एसएसबी की विशेष गश्ती दल ने यह कार्रवाई मानिकपुर यादव टोला में भारतीय बोर्डर भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 188/3 के नजदीक भारत साइड में लगभग 60 मीटर की दूरी पर की।जब्त नेपाली शराब कुल 99 लीटर है,जबकि विदेशी शराब करीब 29 लीटर है। तस्कर शराब को नेपाल से भारत की ओर ला रहा था। सशस्त्र सीमा बल द्वारा आवश्यक कार्यवाही के बाद आबकारी विभाग को जब्त शराब और बाइक सुपुर्द कर दिया गया है।

शार्ट सर्किट ने छीनीं गरीब पिता की खुशियां, बेटी की शादी के लिए जुटाए गहने और नगदी जलकर खाक

अररिया : फारबिसगंज के वार्ड संख्या 18 दल्लू टोला में बीती देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण हुए आगजनी में सुरेश कामत का घर जलकर राख हो गया। आगजनी में लाखों रुपए मूल्य के संपत्ति जलकर भस्म हो गया।जिसमें बेटी की शादी के लिए किस्त के रूप में उठाए एक लाख 60 हजार रुपए नगद, स्वणार्भूषण,कपड़े और एलआईसी के बॉन्ड पेपर समेत अन्य समान जल गए।आग पर स्थानीय लोगों के कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। पीड़ित गृहस्वामी सुरेश कामत ने रुंधे गले से बताया कि देर रात अचानक बिजली के तारों से उठी चिंगारी ने विकराल रूप ले लिया। जब तक शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोग मदद के लिए दौड़ते, आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी आगोश में ले लिया था। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर का सारा सामान और महत्वपूर्ण कागजात राख के ढेर में तब्दील हो चुके थे। सुरेश कामत की तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। बड़ी बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी और उसकी शादी के लिए समानों की खरीददारी की गई थी। आगजनी के बाद पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मोहताज है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल उचित मुआवजा और सहायता प्रदान की जाए ताकि वे अपने जीवन को दोबारा पटरी पर ला सकें।

रुपये की कमजोरी लगातार जारी, रिकॉर्ड लो तक लुढ़की भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली : भारतीय मुद्रा रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज भारतीय मुद्रा ने 49 पैसे की कमजोरी के साथ 95.34 रुपये के रिकॉर्ड लो लेवल तक गोता लगाया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, महीने का आखिरी दिन होने की वजह से इंपोर्टर्स की डॉलर डिमांड बढ़ने और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में अंधाधुध तरीके से बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की वजह से रुपये पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी दबाव की वजह से इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में आज एक बार फिर 95 रुपये के स्तर से नीचे चली गई। 30 मार्च के बाद पहली बार भारतीय मुद्रा की कीमत 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गई है। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 45 पैसे की कमजोरी के साथ 95.30 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 94.85 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। आज रुपये ने कारोबार की शुरूआत भी 95 रुपये के स्तर को पार कर ही की थी। शुरूआत के बाद से ही भारतीय मुद्रा लगातार 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर के ऊपर बनी हुई है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 17 पैसे यानी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 95.02 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति लगातार कमजोरी होती चली गई। मुद्रा बाजार के अभी तक कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया है। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद यूरो की तुलना में रुपया 22.45 पैसे की कमजोरी के साथ 111.16 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद 28.22 पैसे की गिरावट के साथ 128.36 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हंगामा : पैसा नहीं तो अस्पताल मत आओ का आरोप

गुवाहाटी : गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) में एक अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने का मामला सामने आया है। अस्पताल के सीएन सेंटर के कर्मचारियों पर मरीज के परिजनों के साथ मारपीट करने और उनका मोबाइल फोन तोड़ने का आरोप लगा है। बेहतर इलाज की उम्मीद में आए एक गरीब परिवार को अस्पताल में कड़वे अनुभव का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, डिफू चिकित्सा महाविद्यालय से पंकज विश्वास नामक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में जीएमसीएच रेफर किया गया था। बीती देर रात उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएन सेंटर में भर्ती करने के बाद कई जांच कराने को कहा गया। आरोप है कि काउंटर पर भुगतान में देरी होने पर अस्पताल के कर्मचारियों ने परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया। वहीं, एक डॉक्टर पर भी दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान हीरक दास और राहुल अली नामक दो ट्रॉली पुलरों ने कथित तौर पर मरीज के परिजनों का मोबाइल फोन तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्हें यह तक कहा गया कि यदि पैसे नहीं हैं तो मरीज को अस्पताल न लाएं। इधर, घटना को लेकर मरीज और परिजनों ने भंगागढ़ थाने में डॉक्टर और कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जानकारी मिलने पर जीएमसीएच अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक मौके पर पहुंचे और तुरंत एंबुलेंस के जरिए पंकज विश्वास के उपचार की व्यवस्था दोबारा सुनिश्चित कराई।वहीं, परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने ट्रॉली पुलर हीरक दास और राहुल अली को हिरासत में ले लिया है।

हिमाचल में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट, मैदानी इलाकों में कम हुई तपिश

शिमला : हिमाचल प्रदेश में आज भी मौसम खराब बना हुआ है और अधिकांश इलाकों में बादल छाए हुए हैं। बीते 24 घंटों के दौरान कई जगहों पर बारिश दर्ज की गई है। इससे राज्य के मैदानी और निचले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आई है और गर्मी का असर कम हुआ है। पहाड़ी इलाकों में भी मौसम हल्का ठंडा हो गया है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। मौसम विभाग ने आज कुछ स्थानों के लिए गरज-चमक, तेज हवाओं और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है और आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने का अनुमान जताया है।

सांसद विष्णु दयाल राम ने रेल मंत्री से की मुलाकात

पलामू में वैगन फैक्ट्री और नई ट्रेनों की मांग की

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र के रेलवे विकास को लेकर कई अहम प्रस्ताव रखे। इस दौरान उन्होंने पलामू संसदीय क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी, रोजगार सृजन और आधारभूत संरचना के विस्तार पर विशेष जोर दिया।

सांसद ने पलामू जिले में ह्यवैगन उत्पादन एवं रख-रखाव सुविधाह्न स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि गढ़वा रोड या जपला में इस परियोजना को स्थापित किया जा सकता है, जहां पर्याप्त रेलवे भूमि उपलब्ध है। इस परियोजना से स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलने और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए व्यवहार्यता अध्ययन कराने का आश्वासन दिया।

रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सांसद ने कई नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने की मांग भी रखी। इनमें चोपन-देवघर एक्सप्रेस (डालटनगंज-धनबाद मार्ग से), चोपन-एनार्कुलम एक्सप्रेस (दक्षिण भारत संपर्क हेतु), तथा रांची-अहमदाबाद एक्सप्रेस (लोहरदगा-डालटनगंज-जपला मार्ग से) शामिल

हैं। इसके अलावा नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस की फ्रीक्वेंसी सप्ताह में एक दिन से बढ़ाकर तीन दिन करने का अनुरोध किया गया।

सांसद ने हैदरनगर प्रखंड के सरगड़ा टोला गांव में नावाडीह रेलवे फाटक संख्या-48 के पास रोड अंडर ब्रिज (फ्वइ) निर्माण की मांग भी उठाई, जिसे रेल मंत्री ने निर्माण सूची में शामिल करने का आश्वासन दिया।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित वैगन फैक्ट्री और नई ट्रेन सेवाएं पलामू की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी और आम लोगों की यात्रा सुविधाओं में सुधार लाएंगी।

हत्या मामले में एक को उम्रकैद की सजा

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने हत्या के एक मामले एसी एसटी वाद संख्या 98/2022 के आरोपी मनोज यादव उर्फ मुन्ना यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई हैं वही 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नही देने पर एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।इस संबंध में चैनपुर थाना अंतर्गत टेमरी निवासी उज्ज्वल कुमार टिडू ने अपने ही गांव के चार लोग मनोज यादव,प्रदीप यादव,सनोज यादव व नरेश यादव के विरूद्ध चैनपुर थाना मे नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था। जो चैनपुर थाना कांड संख्या 195 सन 2022 तिथि 23 अगस्त 2022 को भादवि की धारा 302,120 बी,/34व 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मुदालहुम पर आरोप था कि 10 जुलाई 2022 को सभी अभियुक्त सुजन्ति देवी व आनंद मसीह टीडू को जाति सूचक शब्दो के साथ गाली गलौज किये तथा जान मारने की धमकी दिए।तालाब में मछली छोड़ने की बात को लेकर घटना हुई थी। सूचक के तालाब को अभियुक्त गण जबरदस्ती कब्जा करना चाहते थे व इसी को लेकर सूचक के पिता को जान मारने का धमकी दिए थे।23 अगस्त 2022 की तीन बजे दिन में सूचक के पिता आनन्द मसीह टीडू पर अंधाधुंध मनोज यादव गोली मार दिया ।आनन्द मसीह टिडू को राँची ले जाने के क्रम में कुडू में अस्पताल में दिखाया गया जहाँ उन्हें चिकित्सको के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।इस मामले में अभियोजन के द्वारा 11 गवाहों की गवाही कराया गया था।इसमे दो प्रत्यक्ष दर्शी गवाह थे।इस संबंध में लोक अभियोजक पुष्पा सिन्हा ने बताया कि इस केस में जाति प्रमाण पत्र सूचक का संलग्न नही था इस कारण एसी एसटी एक्ट के तहत सजा नही दिया जा सका।अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक पुष्पा सिन्हा के द्वारा केस के अभियोजन का संचालन किया गया।अदालत ने चार अभियुक्तों में से तीन को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया वही मनोज यादव उर्फ मुन्ना यादब को साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते भादवि की धारा 302 में उम्र कैद की सजा व 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है ।जुमार्ना की राशि नही देने पर एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।वही 27 आर्म्स एक्ट के तहत तीन वर्ष की सजा व पांच हजार रुपया जुमार्ना लगाया है।जुमार्ना की राशि नही देने पर चार माह की साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।

छऊ कलाकारों को हर संभव सहयोग मिलेगाः विधायक सुखराम उरांव

संवाददाता

चक्रधरपुर : प्रखंड के इटीहाँसा गांव में आयोजित भव्य छऊ नृत्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक सुखराम उरांव शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर आयोजन समिति के सदस्यों ने गर्मजोशी के साथ विधायक का स्वागत किया।

रातभर चले इस सांस्कृतिक समारोह में विभिन्न दलों द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पारंपरिक रूप से गणेश वंदना के साथ किया गया।

विधायक सुखराम उरांव का संबोधनः इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और कलाकारों को संबोधित करते हुए विधायक सुखराम उरांव ने कहाः ₹छऊ नृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पहचान का प्रतीक है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कलाकारों ने इस प्राचीन कला को जीवित रखा है, जो सराहनीय है। राज्य सरकार और मैं स्वयं इन कलाकारों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हूँ। छऊ कलाकारों को अपनी कला के प्रदर्शन और विकास के लिए हर संभव सरकारी सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी अपनी परंपराओं पर गर्व कर सके।

इनकी रही उपस्थितिःइस मौके पर मुख्य रूप से झामुमो नेता ताराकांत सिजुई, अमर बोदरा, अजीत मोदी, डाबलू हेंब्रोम, गणेश लागूरी, सुधीर नायक, दशरथ नायक सहित आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

इस बार जनगणना डिजिटल तरीके से भी होगी : डीसी

बिनय मिश्रा

चाईबासा : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। उन्होंने जानकारी दिया कि जिले में 1 मई से स्वगणना शुरू होने वाली है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना डिजिटल तरीके से भी होगी। जनगणना का काम दो चरणों में होगा। 1 मई से स्वगणना का कार्य शुरू हो जाएगा, जबकि 16 मई से लेकर 24 जून हाउस लिस्टिंग और जनगणना की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि जनगणना के लिए 33 बिंदु निर्धारित किए गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी यह जानकारियां उपलब्ध रहेगी और लोग खुद से भी अपने परिवार की गणना का काम कर सकते हैं। सीएमएमएस पोर्टल और ऐप पर भी सारी जानकारी उपलब्ध रहेगी। उपायुक्त ने बताया कि जनगणना को लेकर सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने जिले के लोगों से सही जानकारी देने और सहयोग की अपील की। जनगणना के लिए जिला योजना पदाधिकारी को नोडल बनाया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि जिले में प्रतिमाह 8 एवं 24 तारीख को रक्तदान शिविर का आयोजन कर 500 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह करने का

लक्ष्य रखा गया है। ताकि जिला को रक्त युक्त जिला बनाया जा सके। उन्होंने रक्तदान करने वाले रक्तविरो को धन्यवाद दिया। जिला की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए अगले वर्ष की परीक्षा में राज्य पर टॉप 5 स्थान पर लाना प्राथमिकता है। जिसके लिए जिले में प्रोजेक्ट उड़ान, टेस्ट सीरीज, बोलेगा चाईबासा, आज क्या सीखेंगे, जन्म उत्सव, सहित कई वैज्ञानिक तरीके अपनाए जाएंगे। साथी ही साथ सभी स्कूलों में बुकलेट की भी व्यवस्था की जा रही है। वहीं, पीएम श्री जैसे स्कूलों में इंग्लिश टीचर की भी व्यवस्था की जा रही है। जिले के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए घंटी आधारित एवं अन्य तरीके से शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

उन्होंने जिले में आयोजित होने वाला 10 को सखी दिवस, 24 को सखी संवाद, 8 एवं 24 को रक्तदान शिविर, 19 को पंचयती दिवस, 28 को गृह प्रवेश दिवस, 20 को तिथी भोजन, 22 को बाल भोज का आयोजन किया जाएगा।

बिजली की समस्या एवं सुदृढ़ रखने के लिए निगरानी टीम का गठन किया गया है। क्षेत्र में गर्मी को बढ़ाते हुए एवं आगजनी की समस्या से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग के साथ बैठक की गई। अग्निशमन विभाग को निर्देश दिया गया है, कि वैसे अग्निशमन यंत्र जो उपयोग में नहीं है उन्हें 15 दिनों के अंदर ठीक कर लें। सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीके का उपयोग कर मृत्यु दर एवं सड़क दुर्घटना को काम किया जाएगा।

डीसी ने जागरूकता रथ को किया रवाना

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार कोजनगणना-2027 के सफल संचालन को लेकर जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रचार वाहन (जागरूकता रथ) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल स्वरूप दिया गया है, जिससे आम नागरिक स्वयं भी इसमें भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। उपायुक्त श्री सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 मई से 15 मई 2026 तक स्व-गणना का चरण निर्धारित है। इस दौरान नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से घर बैठे अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर से ओटीपी आधारित लॉगिन कर राज्य, जिला एवं स्थानीय विवरण का चयन करते हुए डिजिटल मानचित्र पर अपने आवास का चिन्हांकन करना होगा। इसके उपरांत मकान एवं परिवार से संबंधित विवरण भरकर सबमिट करने पर रए क्ऊ प्राप्त होगा, जिसे संबंधित प्रगणक को उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को जनगणना-2027 के बारे में जागरूक करेगा तथा स्व-गणना प्रक्रिया की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस डिजिटल पहल से जुड़ सकें।

कहा कि 16 मई से 14 जून 2026 तक मकानसूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर पूर्व में प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन करेंगे, जिससे आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त श्री सिन्हा ने आमजन से अपील की कि वे जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय सहयोग करें और स्व-गणना के माध्यम से सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं।

उपायुक्त ने किया परिसदन का निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को स्थानीय परिसदन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसदन में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, मरम्मत कार्यों एवं समग्र व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि परिसदन में ठहरने वाले अतिथियों को उत्कृष्ट एवं संतोषजनक सुविधाएं प्रदान करना सर्वोपरि होना चाहिए। उपायुक्त श्री सिन्हा ने डाइनिंग रूम को व्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने का निर्देश देते हुए कहा कि खानपान की व्यवस्था साफ-सुथरी और सुव्यवस्थित हो। साथ ही, परिसदन में ठहरने वाले अतिथियों से संबंधित सभी जानकारियां–जैसे प्राप्त होने वाली राशि, कुल कमरे, खाली कमरों की संख्या और कितने कमरों में लोग ठहरे हुए हैंह्व–को नियमित रूप से एक्सेल शीट में संधारित किया जाए, ताकि प्रबंधन में पारदर्शिता एवं सुगमता बनी रहे।उन्होंने परिसदन परिसर में साफ-सफाई की स्थिति को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। सभी कमरों में एसी की समुचित कार्यशीलता सुनिश्चित करने, शौचालयों की नियमित एवं उच्च स्तर की सफाई बनाए रखने तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य अविलंब कराने को कहा।

सड़क मरम्मती नहीं हुई तो पांकी रोड जाम किया जाएगाः सन्नी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के प्रमुख शहर मेदिनीनगर की जीवनरेखा मानी जाने वाली पांकी रोड की जर्जर हालत को लेकर अब स्थानीय लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। झामुमो नेता सन्नी शुक्ला और क्षेत्र के अन्य नागरिकों ने सड़क की खराब स्थिति को लेकर विरोध दर्ज कराया और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। पांकी रोड शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है, जहां से रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं। इसी मार्ग पर जी. एल. ए कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, आधा दर्जन से अधिक अस्पताल और कई विद्यालय स्थित

हैं, जिससे इस सड़क का महत्व और भी बढ़ जाता है। बावजूद इसके, सड़क की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। चरकी भट्ठा क्षेत्र में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। हालात इतने खराब हैं कि स्थानीय लोगों को मजबूरी में इन गड्ढों में मिट्टी डाल, पत्थर रख कर अस्थाई व्यवस्था करनी पड़ रही है, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो। इसके बावजूद आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं होगा, तब तक जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं जाएगा। लोगों में प्रशासन की उदासीनता को लेकर गहरी नाराजगी है। सबों ने एक स्वर में कहा अगर दो दिन में गड्ढे नहीं भरे गए तो पांकी रोड जाम किया जाएगा। व्यंग्यात्मक लहजे में स्थानीय नागरिकों ने कहा, ह्लएंजॉय कीजिए, आप पलामू प्रमंडल के सबसे बड़े शहर के निगमवासी हैं, जहां गड्ढे ही निगम की पहचान बन गए हैं।ह्व अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कब तक नजरअंदाज करता है और कब तक आम जनता को राहत मिल पाती है। विरोध दर्ज करने वाले स्थानीय निवासी जितेंद्र पांडेय, संकट मोचन, उमेश अग्रवाल, सुमित पांडेय, बमबम शुक्ला सैयद फैजल, रंजीत कुमार, शिवाजी सिंह, अमित सिंह, राहुल साहू सहित कई अन्य उपस्थित थे।

अस्मिता सिटी लीग में खेल प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता

देवघर : जिले के इनडोर स्टेडियम एवं केकेएन स्टेडियम में आयोजित अस्मिता सिटी लीग अंडर-14 एवं अंडर-17 प्रतियोगिता का आयोजन बेहद उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। इस बहु-खेल प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, ताइक्वांडो, कबड्डी, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे पांच प्रमुख खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के युवा महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला उप विकास आयुक्त पीयूष सिंहा एवं विशिष्ट अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार,जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और जिला खेल प्राधिकरण के सचिव आशीष झा की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर एक खास पहल देखने को मिली, जहां मुख्य अतिथि द्वारा छोटी बच्चियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। यह दृश्य न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि बेटियों के सम्मान और उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने का एक सकारात्मक संदेश भी दे गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार ने सभी अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके बाद प्रतियोगिताओं का विधिवत आरंभ हुआ।

इस आयोजन में जिला खेल प्राधिकरण के सचिव आशीष झा, जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा, बैडमिंटन सचिव कनिष्क कश्यप, संयुक्त सचिव अंकेश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके साथ ही कोच सोनाली दुबे, राहुल साहा, अभिषेक, हर्ष, गिरधारी, प्रवीर राय, नीतेश पंडित समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह और खेल के प्रति समर्पण देखने लायक रहा। इस प्रतियोगिता ने न केवल युवा प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि खेलों के प्रति जागरूकता और प्रेरणा भी बढ़ाई।

न्यूज IN ब्रीफ

देवरी में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान,वाहनों के शीशे से हटाए गए काले फिल्म

मेदिनीनगर : पलामू पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार हुसैनाबाद के देवरी ओपी क्षेत्र अंतर्गत ओपी प्रभारी बबलू कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई।अभियान के तहत पुलिस द्वारा दोपहिया वाहनों के आवश्यक कागजात, डिक्की और हेलमेट की जांच की गयी। वहीं चारपहिया वाहनों की विशेष रूप से डिक्की और काले शीशे (ब्लैक फिल्म) की जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहनों पर लगे अवैध ब्लैक फिल्म को मौके पर ही पुलिस द्वारा हटाया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को सख्त चेतावनी दी कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और बिना वैध कागजात के वाहन न चलाएं। प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर अभियान चलाया जा रहा हैं जो आगे भी जारी रहेंगे।

पत्रकारों को पिटवाना, लोकतंत्र की हत्या का मंत्री इरफान ने किया है प्रयास : बिनोद सिंह

मेदिनीनगर : सूबे के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा हजारीबाग में पत्रकारों को पिटवाना, लोकतंत्र की हत्या का प्रयास किया गया है। मंत्री इरफान अंसारी सत्ता के मद में चूर हो गए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ऐसे मंत्री को तत्काल प्रभाव से पद से हटा देना चाहिए। उक्त बातें प्रेस क्लब पलामू के पलामू जिला कार्यकारणी अध्यक्ष बिनोद सिंह ने कही। उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी के गुर्गों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है। बिनोद सिंह ने कहा कि पत्रकारों का प्रश्न पूछना अधिकार है। पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के समान हैं। उन्होंने प्रश्न उठाया कि हजारीबाग में एक पत्रकार द्वारा चतरा में एयर एम्बुलेंस के दुर्घटना में मारे गए लोगों को मुआवजा देने से संबंधित प्रश्न पूछने पर मंत्री को इतनी चुभन क्यों हो गई। अगर प्रश्नों को मंत्री झेल नहीं पा रहे हैं तो उन्हें राजनीति से संन्यास लेना चाहिए। मंत्री के गुर्गों को इतनी हिम्मत कहां से आ गई कि मंत्री के सामने ही पत्रकारों को अपमानित करने के साथ ही मारपीट कर दे। पत्रकारों के साथ बदतमीजी वह मारपीट का इलाज होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मंत्री इरफान के इसारे पर किए गए पत्रकारों पर हमला की प्रेस क्लब पलामू कड़ी निंदा करता है। साथ ही मंत्री इरफान के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगी। कहां की राज्य का दुर्भाग्य है कि इरफान अंसारी सूबे के मंत्री हैं। ताकि पहले भी एक पत्रकार को उन्होंने धमकी दी थी। पत्रकारों को धमकी देना व मारपीट कराना मंत्री इरफान के मानसिक दिवालीयेपन की निशानी है। अगर पत्रकारों का साथ अगर न्याय नहीं हुआ तो पलामू में भी कांग्रेस के कार्यक्रमों पर प्रेस क्लब पलामू किसी भी खबर को संकलन नहीं करेगी।

तेजल ने आईसीएसई बोर्ड दसवीं में 96.8 प्रतिशत अंक हासिल की

पश्चिम सिंहभूम : माटीगोड़ा जादूगोड़ा निवासी परमेश्वर और विनीता कांवटिया की पुत्री तेजल कांवटिया ने आईसीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा में 96.8 प्रतिशत अंक हासिल कर सफलता का एक नया आयाम कायम किया है, सुश्री तेजल प्रारंभ से ही एक मेधावी छात्र है और संत जोसफ विद्यालय मुसाबनी में अध्यनरत है, उसने बताया कि उसकी सफलता में उनके माता-पिता और शिक्षकों का विशेष योगदान है ओर वह अपनी इस सफलता में कड़ी मेहनत और सिलेबस के आधार पर पूर्व तैयारी को बेहद महत्वपूर्ण बताया, उसने भविष्य में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी का लक्ष्य रखा है, परिवार और शुभचिंतकों ने उसकी सफलता पर शुभकामनाएं दी।

कालाजार के निदान एवं प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

देवघर : झारखंड के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के निदेर्शानुसार बुधवार को एम्स, देवघर में कालाजार (विसरल लीशमैनियासिस) एवं पीकेडीएल के निदान एवं प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों–दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज, देवघर एवं जामताड़ा–के चिकित्सा पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों, एम्स देवघर, पीजेएमसीएच के डॉक्टरों की क्षमता में वृद्धि करना था, ताकि कालाजार एवं उससे संबंधित जटिल मामलों का प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन से हुई। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, झारखंड, डॉ. बिरेंद्र कुमार सिंह ने स्वागत संबोधन में कहा, राज्य सरकार वर्ष 2023 में कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल कर लिया है और इसे बनाए रखने कि दिशा में बहु-आयामी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर समन्वित प्रयास और तकनीकी दक्षता के माध्यम से ही कालाजार नियंत्रण को और मजबूत किया जा सकता है।ह्व कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. कुमार ने बताया कि, ह्लराज्य स्तर पर समन्वित प्रयास और तकनीकी दक्षता के माध्यम से ही कालाजार नियंत्रण को और मजबूत किया जा सकता है। कालाजार नियंत्रण में मेडिकल कॉलेजों की भूमिका पर बोलते हुए एम्स के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. गंगाने ने कहा, ह्लमेडिकल कॉलेज न केवल उपचार बल्कि अनुसंधान और प्रशिक्षण के माध्यम से भी कालाजार उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। तकनीकी सत्रों के दौरान डॉ. कृष्णा पांडे, निदेशक, आईसीएमआर-आरएमआरआईएमएस, पटना ने कहा की, ह्लजटिल और पुनरावृत्ति वाले कालाजार मामलों के लिए सटीक निदान और प्रोटोकॉल आधारित उपचार अत्यंत जरूरी है।

इसी क्रम में प्रो. (डॉ.) मिताली चटर्जी, आईपीजीएमईआर, कोलकाता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि, ह्लपीकेडीएल मामलों की समय पर पहचान और उपचार, कालाजार के पूर्ण उन्मूलन के लिए आवश्यक है। वहीं डॉ. रोशन टोपनो, आईसीएमआर-आरएमआरआईएमएस, पटना ने कहा की, ह्ल०ढउफ जैसी आधुनिक तकनीकें कालाजार के सटीक और शीघ्र निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई एवं भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर राज्य एवं जिलों के भी.बी.डी. अधिकारी, कंसल्टेंट्स के साथ ही सहयोगी संस्थाओं यथा- विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल समन्वयक डॉ. हसीब, पिरामल स्वास्थ्य, ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज के प्रतिनिधि, चिकित्सा पदाधिकारियों, ऊश्इऊड, टडक्ळ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे जमीनी स्तर पर उपचार एवं प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार होगा।